राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार 28अक्टूबर2020 वर्ष-3, अंक -272 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रैफिक रूल तोड़ने से रोका तो सिपाही को कार की बोनट पर 500 मीटर तक घसीटा

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के जबलपुर में एक अजीब घटना सामने आई है। यहां एक शख्स ने एक पुलिसकर्मी को कार के बोनट पर तब घसीट दिया जब वह उसे ट्रैफिक नियम तोड़ने से रोकने की कोशिश कर रहा था। आरोपी पर केस दर्ज कर लिया गया है। घटना का एक वीडियो भी सीसीटीवी में कैद हो गया है। ये इस तरह का कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले हाल ही में ऐसी एक घटना दिल्ली में सामने आई थी जब दिल्ली कैंट इलाके में तेज रफ्तार कार चालक को जांच के लिए रुकने का इशारा किया गया। युवक ने कार धीमी की और दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से पीड़ित कांस्टेबल कार के बोनट पर गिर पड़ा, जिसके बाद आरोपी चालक ने कार की रफ्तार बढ़ा दी। करीब 500 मीटर तक कांस्टेबल को कार के साथ घसीटने के बाद आरोपी उसे सड़क पर गिरा कर फरार हो गया। पुलिस अधिकारी ने बताया घायल कांस्टेबल महिपाल यादव दिल्ली ट्रैफिक पुलिस तैनात हैं। महिपाल की अपने साथियों एएसआई किशन कुमार, हेड कांस्टेबल गुघ्यन लाल और रंजीत कुमार के साथ दिल्ली कैंट में ड्यूटी लगी थी। सभी पुलिसकर्मी धौलाकुआं से तिलक नगर जाने वाली सड़क पर वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान कांस्टेबल महिपाल ने तेज रफ्तार कार को आते देख रुकने का इशारा किया। कार चालक ने पुलिस को देखकर कार की रफ्तार कम की, जैसे की कांस्टेबल महिपाल कार के सामने पहुंचा, आरोपी चालक ने कार की रफ्तार बढ़ा दी और महिपाल को टक्कार कर कर भागने लगा। टक्कर लगने के बाद कांस्टेबल महिपाल कार के बोनट पर गिरा और उसने वाईपर पकड़ लिया, करीब 500 मीटर बाद झटका लगने से कार से नीचे ज गिरा और घायल हो गया।

महबूबा मुफ्ती को परिवार के साथ पाकिस्तान चले जाना चाहिए- गुजरात के उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल

अहमदाबाद। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 समाप्त करने को लेकर पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के हालिया बयान पर नाराजगी जताते हुए गुजरात के उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री को अगर भारत और उसके कानून पसंद नहीं हैं तो उन्हें सपरिवार पाकिस्तान चले जाना चाहिए। वडोदरा के कुराली गांव में उपचुनाव के लिए एक सभा को संबोधित करते हुए पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह देश की सुरक्षा के लिए नागरिकता संशोधन कानून लाए और उन्होंने अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त किया। उन्होंने कहा,

महबूबा पिछले दो दिन से अनर्गल बयान दे रही हैं। उन्हें हवाई टिकट खरीदने चाहिए और अपने परिवार के साथ कराची चले जाना चाहिए। सभी के लिए यह ठीक होगा। उन्होंने कहा, अगर वह चाहें तो करजन तालुका की जनता उन्हें हवाई टिकट खरीदने के लिए पैसे भेज देगी। पटेल ने कहा, जिन्हें भारत पसंद नहीं है या सरकार द्वारा बनाये गये सीएए जैसे कानून या अनुच्छेद 370 का समाप्त करना पसंद नहीं हैं? उन्हें पाकिस्तान चले जाना चाहिए।

तिरंगे को लेकर महबूबा मुफ्ती बोलीं- कश्मीर के अलावा कोई झंडा नहीं उठाऊंगी

उन्होंने कहा कि जो कोई भी यहां सुरक्षित या खुश महसूस नहीं कर रहा है उसे तुरंत पाकिस्तान चले जाना चाहिए। दरअसल, उप मुख्यमंत्री कर्जन विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अक्षय पटेल के समर्थन में रैली को संबोधित कर रहे थे। कर्जन विधानसभा 3 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में होने वाले आठ विधानसभा चुनावों में से एक है।

पटेल ने कहा कि आप यहां रहती हैं तो आपको कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। कोई भी जो गलती करेगा, उसे कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। हम परेशानी पैदा करने वाले नहीं चाहते चाहे उनकी जाति और धर्म कुछ भी हो। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए भारत और इसके नागरिकों की सुरक्षा टॉप प्राथमिकता में है।

400 दिनों से ज्यादा नजरबंद रहने के बाद रिहा हुई महबूबा मुफ्ती

दरअसल, 14 महीने बाद रिहा होने वालीं महबूबा मुफ्ती ने बीते दिनों कहा था कि मैं जम्मू-कश्मीर के अलावा दूसरा कोई झंडा नहीं उठाऊंगी। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जिस वक्त हमारा ये झंडा वापस आएगा, हम उस झंडे को भी उठा लेंगे। मगर जब तक हमारा अपना झंडा वापस आ नहीं जाता है तब तक हम किसी और झंडे को हाथ में नहीं उठाएंगे।

अब कोरोना से जंग जीतने के काफी करीब भारत

नई दिल्ली। भारत कोरोना वायरस को लेकर लगातार राहत भरी खबरें आ रही हैं। देश में कोरोना वायरस का कहर अब अपने ढलाना पर है और इसके नए केसों की संख्या में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। मंगलवार को भारत में 101 दिन बाद सबसे कम कोरोना वायरस के नए मामले सामने आए। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सोमवार को भारत में करीब 36 हजार नए कोविड-19 केस दर्ज किए गए, जो 101 दिनों बाद सबसे कम है। इससे पहले यानी अब से तीन महीने पहले जुलाई 17 जुलाई को करीब 35 हजार नए मामले सामने आए थे। इस तरह से देखा जाए तो अब ऐसा लग रहा है कि भारत कोरोना वायरस से जंग जीतने के काफी करीब पहुंच चुका है।

कोरोना वैक्सीन वितरण की तैयारी तेज, बन रहा स्वास्थकर्मियों का डेटा

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी लेटेस्ट आंकड़ों के मुताबिक, कई राज्यों ने कोरोना वायरस के कहर पर एक तरह से नियंत्रण पा लिया है। कई ऐसे राज्य हैं जहां रिकवरी रेट काफी बेहतर है और नए मामलों के मिलने की संख्या में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। यही वजह है कि देश के कोरोना आंकड़ों में भी गिरावट आई है। बता दें कि सितंबर के शुरुआती दो सप्ताह में कोरोना का तांडव देखने को मिला था। हर दिन औसतन 90 हजार नए केस सामने आ रहे थे, मगर उसी महीने के अंतिम सप्ताह से नए मामलों में गिरावट देखने को मिली और वह अब भी जारी है। इस तरह से देखा जाए तो सितंबर के मध्य में ही देश में कोरोना का पीक खत्म हो चुका है।

भारत में 101 दिन बाद सबसे कम कोरोना वायरस के नए मामले सामने आए। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सोमवार को भारत में करीब 36 हजार नए कोविड-19 केस दर्ज किए गए, जो 101 दिनों बाद सबसे कम है। इससे पहले यानी अब से तीन महीने पहले जुलाई 17 जुलाई को करीब 35 हजार नए मामले सामने आए थे।

भारत में इस महीने में दूसरी बार 24 घंटे के अंदर 50 हजार से कम नए मामले सामने आए। वहीं इस दौरान मरने वालों की संख्या भी 500 से कम रही। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सुबह आठ बजे जारी किए आंकड़ों के अनुसार देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 79,09,959 हो गए हैं। वहीं 480 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 1,19,014 हो गई।

कोरोना का भारत में नया रिकॉर्ड, पिछले 24 घंटे में 49,300 नए केस

मंत्रालय के मुताबिक, 71,37,228 लोगों के संक्रमण मुक्त होने के बाद देश में मरीजों के ठीक होने की दर बढ़कर 90.23 प्रतिशत हो गई है। वहीं कोविड-19 से मृत्यु दर 1.50 प्रतिशत है। देश में अभी सात लाख से कम लोगों का इलाज जारी है। आंकड़ों के अनुसार देश में अभी 6,53,717 मरीजों का इलाज जारी है, जो कुल मामलों का 8.26 प्रतिशत है।

भारत में सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख के पार चली गई थी, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को संक्रमितों की संख्या 40 लाख के पार चली गई थी। कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख के पार, 28 सितम्बर को 60 लाख और 11 अक्टूबर को 70 लाख के पार चले गए थे। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार 25 अक्टूबर तक कुल 10,34,62,778 नमूनों की कोविड-19 की जांच की गई, जिनमें से 9,39,309 नमूनों का परीक्षण रविवार को ही किया गया।

यूजीसी ने कहा- देश के सभी विश्वविद्यालयों में दो नवंबर से फिर से शुरू होगा पठन-पाठन

नई दिल्ली। कोरोना के खतरे को देखते हुए बंद पड़े देश भर के विश्वविद्यालयों में दो नंवबर से फिर से पढ़ाई-लिखाई शुरू हो जाएगी। हालांकि अभी कोरोना का खतरा टला नहीं है, इसलिए संस्थानों को स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर ऑनलाइन या फिर ऑफलाइन दोंनों ही तरीकों से पढ़ाने का विकल्प दिया गया है। विश्वविद्यालयों ने इसे लेकर तैयारी भी शुरु कर दी है। इस दौरान छात्रों की यदि कक्षाएं लगती है, तो एक समय में कक्षाओं की कुल क्षमता के आधे छात्रों को ही बुलाया जाएगा।

विश्वविद्यालयों की री-ओपेनिंग को लेकर यूजीसी जारी करेगी गाइडलाइन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इस बीच विश्वविद्यालयों को फिर से खोलने को लेकर नई सुरक्षा गाइडलाइन पर भी काम शुरू कर दिया है। जो एक नवंबर से पहले कभी भी जारी हो सकती है। जिसमें कोरोना से बचाव के जुड़े सुरक्षा उपायों सहित कैंपस में आने वाले छात्रों के स्वास्थ्य पर नजर रखने के लिए भी एक टीम तैनात की जाएगी। इस दौरान कैंपस में डाक्टरों की एक टीम और एबुलेंस भी तैयार रखा जाएगा, ताकि किसी छात्र को किसी भी तरह की दिक्कत होने पर उन्हें तुरंत आइसोलेट किया जा सके। इसके साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में भी एक आइसोलेशन रूम भी तैयार रखा जाएगा। विश्वविद्यालय आने वाले प्रत्येक शिक्षक, छात्र और दूसरे कर्मचारियों को थर्मल स्क्रीनिंग के बाद ही प्रवेश दिया जाएगा। यूजीसी ने विश्वविद्यालयों के लिए इस एकेडमिक कैलेंडर को सितंबर में ही जारी कर दिया था। जिसमें अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट के पहले वर्ष की कक्षाएं एक नवंबर से शुरू करने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि कोरोना संक्रमण की स्थिति अभी भी देश में सामान्य नहीं हुई है, ऐसे में यूजीसी ने अब विश्वविद्यालयों को यह विकल्प दिया है, कि यदि संस्थान खोलने की स्थिति नहीं बनती है।यूजीसी ने कहा- देश के

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत पीएम मोदी ने लाभार्थियों से किया संवाद

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने कहा कि आज का दिन आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण दिन है। कठिन से कठिन परिस्थितियों का मुकाबला ये देश कैसे करता है, आज का दिन इसका साक्षी है। कोरोना संकट ने जब दुनिया पर हमला किया, तब भारत के गरीबों को लेकर तमाम आकांक्षा व्यक्त की जा रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के उत्तर प्रदेश के लाभार्थियों से संवाद किया। पीएम मोदी ने कहा कि मैं 'प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना' के सभी लाभार्थियों से बात कर रहा था तो ये अनुभव किया कि सबको एक खुशी भी है,एक आश्चर्य भी है।पहले नौकरी वालों को लोन लेने के लिए बैंकों के चक्कर लगाने होते थे, गरीब आदमी बैंक के भीतर जाने का भी नहीं सोच सकता था। लेकिन आज बैंक खुद चलकर आ रहा है। हमारे रेहड़ी-पटरी वालों की मेहनत से देश आगे बढ़ता है। ये लोग आज सरकार का धन्यवाद दे रहे हैं, लेकिन मैं इसका श्रेय सबसे पहले बैंक कर्मियों की मेहनत को देता हूं। बैंक कर्मियों की सेवा के बिना ये कार्य नहीं हो सकता था। पीएम मोदी ने कहा कि आज का दिन आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण दिन है। कठिन से कठिन परिस्थितियों का मुकाबला ये देश कैसे करता है, आज का दिन इसका साक्षी है। कोरोना संकट ने जब दुनिया पर हमला किया, तब भारत के गरीबों को लेकर तमाम आकांक्षा व्यक्त की जा रही थी। मेरे गरीब भाई बहनों को कैसे कम से कम तकलीफ उठानी पड़े, कैसे गरीब इस मुसीबत से उभरे, सरकार के सभी प्रयासों के केंद्र में यही चिंता थी। इसी सोच के साथ देश ने 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपए की गरीब कल्याण योजना शुरू की। पीएम मोदी के संबोधन से पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने योजना के लाभार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि आज प्रदेश के 651 स्थानीय निकायों की संस्थाओं में प्रदेश के 2,74,000 पटरी व्यवसायी आपके मार्गदर्शन और प्रेरणा से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत ऋण वितरण सुविधा से कोरोना कालखंड में अपने त्योहार और पर्व सफलतापूर्वक मना पाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के उत्तर प्रदेश के लाभार्थियों से संवाद किया। पीएम मोदी ने कहा कि मैं 'प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना' के सभी लाभार्थियों से बात कर रहा था तो ये अनुभव किया कि सबको एक खुशी भी है,एक आश्चर्य भी है।

तेजस्वी बोले-नीतीश कुमार हमारे बहाने पीएम मोदी पर साध रहे निशाना

पटना। बिहार चुनाव में अब तक पार्टियों पर ही हमले हो रहे थे, लेकिन अब पर्सनली अटैक भी होने लगे हैं। नीतीश कुमार ने बिना किसी का नाम लिए लालू परिवार पर तंज कसा। नीतीश कुमार ने एक रैली में कहा कि जिनके 8-8 9-9 बच्चे हैं वो भी विकास की बात करते हैं। बेटों की चाहत में बेटियां पैदा होती गई। नीतीश के इस तंज पर तेजस्वी ने पलटवार किया है, तेजस्वी ने कहा कि नीतीश जी हमारे बहाने पीएम मोदी पर निशाना साध रहे हैं, क्योंकि पीएम के भी तो 6-7 भाई बहन हैं। तेजस्वी ने कहा कि नीतीश जी थक चुके हैं। वो हमें कितना भी गाली दें लेकिन वो बेरोज़गारी,गरीबी पर बात नहीं करना चाहतें। अगर ऐसी बोली वो बोलते हैं तो वो महिलाओं की मर्यादा को ठेस पहुंचा रहें। तेजस्वी ने ट्वीट कर कहा कि आदरणीय नीतीश जी मेरे बारे में कुछ भी अपशब्द कहे वो मेरे लिए आशीर्वचन है। नीतीश जी शारीरिक-मानसिक रूप से थक चुके है इसलिए वो जो मन करे, कुछ भी बोले। मैं उनकी हर बात को आशीर्वाद के रूप में ले रहा हूँ। इस बार बिहार ने ठान लिया है कि रोटी-रोजगार और विकास के मुद्दों पर ही चुनाव होगा।

मुजफ्फरपुर के कांटी में भी साधा था लालू-राबडी पर निशाना

कुछ दिन पहले जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मुजफ्फरपुर रैली में मुर्दाबाद के नारे लगे तो वह भड़क गए थे। उन्होंने नारेबाजी कर रहे लोगों को नसीहत दे डाली। उन्होंने कहा कि वे अपने माता-पिता से जाकर राजद शासनकाल के बारे में पूछ लें। उन्होंने कहा कि हो सकता है पिता ना बताए लेकिन मां से पूछना वो सही-सही बात बताएंगी। उन्होंने कहा, हम समाज को एक करने में लगे हुए हैं और

वह लोग लगे हुए कि समाज को फिर बांट दो । फिर झगड़ा का माहौल पैदा कर दो। नीतीश ने नारेबाजी करने वाले युवकों से कहा, %आप लोगों को यहां कोई कुछ नहीं करेगा। 10 लोग हो और यहां हजारों लोग हैं। कोई तुमको कुछ नहीं करेंगे। कुछ करेंगे तो उनको लाभ मिलेगा। जदयू प्रमुख ने प्रदेश की पिछली राजद सरकार के शासन काल की ओर इशारा करते हुए नारेबाजी करने वालों से पूछा, क्या हाल था। अपने माता-पिता से जाकर पूछ लो कि शाम होने के बाद घर से बाहर निकल पाते थे। स्कूल में पढ़ाई होती थी। कोई इलाज होता था। जरा जान लो। पूछ लो घर के अंदर और पिता ठीक नहीं बताएगा लेकिन अपनी माता से पूछोगे वह सही बात बतला देगी।

बिना अनुमति के दाढ़ी और बाल नहीं बढ़ा सकते पुलिसकर्मी - DGP

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बागपत में एक पुलिसकर्मी के बिना अनुमति के दाढ़ी रखने के मामले में छिड़े विवादों के बाद डीजीपी ने इस संबंध में पूर्व में जारी दिशा-निर्देशों की याद दिलाई है। उन्होंने कहा है कि सिख धर्म के पुलिसकर्मियों को छोड़कर किसी अन्य पुलिसकर्मी को बिना अनुमति के दाढ़ी-बाल रखने की इजाजत नहीं है। पुलिस के सभी विभागाध्यक्षों व कार्यालयाध्यक्षों को पत्र लिखकर डीजीपी ने कहा है कि पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा ड्यूटी के समय वर्दी नियमों का उल्लंघन किए जाने की सूचनाएं मिल रही हैं। वर्दी के नियमों की याद दिलाते हुए उन्होंने कहा है कि सिख धर्म के पुलिसकर्मियों को छोड़कर अन्य सभी पुलिसकर्मियों के लिए दाढ़ी क्लीन शेव किया जाना अनिवार्य है। यदि सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमति प्रदान की जाती है तो भी दाढ़ी के बाल छोटे और सही तरीके से कटिंग होनी चाहिए। मूंछें अपनी व्यक्तिगत इच्छा के अनुसार धारण कर सकते हैं लेकिन वे 'ट्रिम्ड' हों और रखरखाव होना चाहिए। धार्मिक आधार पर केवल अस्थाई अवधि के लिए दाढ़ी रखने और लंबे बाल उगाने की अनमुति कार्यालय प्रमुख के द्वारा दी जा सकती है। यह अनुमति एक निश्चित समय के लिए दी जाएगी, जिसकी अनुमति देते समय आदेश में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना आवश्यक होगा। लंबे बाल बढ़ाने के लिए कोई अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी। डीजीपी ने पत्र में कहा है कि सभी

अधिकारी व कर्मचारी निर्धारित स्वच्छ वर्दी एवं हेड गियर धारण करेंगे। वर्दी के पैटर्न शू के अतिरिक्त कोई अन्य जूता, चप्पल या सैंडल आदि नहीं धारण किया जाएगा। पुलिस अधिकारी व कर्मचारी अपने कार्यालय एवं कत्तर्व्यपालन स्थल पर निर्धारित वर्दी ही धारण करेंगे। गलत वर्दी, टोपी, नेम प्लेट, कमीज के बटन खुले रखने तथा निर्धारित जूता व मोजा न पहनने की कुप्रथा को पूरी तरह समाप्त किया जाना चाहिए।

दिल्ली में कोरोना वैक्सीन वितरण की तैयारी तेज, बनने लगा स्वास्थकर्मियों का डेटा

नई दिल्ली। दुनियाभर में लोग कोरोना की वैक्सीन का इंतजार कर रहे हैं। इधर, दिल्ली सरकार ने पहले चरण में सर-कॉव -2 के लिए टीकाकरण करवाने वालों के विस्तृत इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तैयार करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों का डेटा एकत्र करना शुरू कर दिया है। डेटाबेस में एमबीबीएस डॉक्टर, आयुष चिकित्सक, नर्स, लैब तकनीशियन, फार्मासिस्ट और एएनएम (सहायक नर्स मिडवाइफ) सहित स्वास्थ्य देखभाल श्रमिकों की 13 श्रेणियां होंगी जो कोविड -19 के खिलाफ फ्रंटलाइन कार्यबल का हिस्सा हैं। डेटाबेस केंद्र सरकार के निर्देश के बाद दिल्ली सरकार के तहत स्वास्थ्य और परिवार कल्याण निदेशालय द्वारा बनाया जा रहा है। दिल्ली इसके लिए उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करने वाले पहले राज्यों में शामिल है। दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर कहा कि हम शहर भर में स्वास्थ्य देखभाल श्रमिकों की जानकारी एकत्र करने, निजी और सरकारी अस्पतालों, डिस्पेंसरी, पथ प्रयोगशालाओं और क्लीनिकों में काम कर रहे हैं। एक बार

डेटाबेस तैयार हो जाने के बाद, हमें यह पता चल जाएगा कि वैक्सीन उपलब्ध होने के बाद कौन प्राप्त करेगा। यह यह भी सुनिश्चित करेगा कि टीकों का कोई निस्तारण न हो। इधर, विश्व स्वास्थ संगठन की प्रमुख सौम्या स्वामीनाथन ने सोमवार को कहा कि संगठन का मानना है कि कोरोना वायरस की वैक्सीन साल 2020 के अंत या अगले साल की शुरुआत तक रजिस्ट्रेशन के लिए तैयार होगी। उन्होंने कहा कि हमारे पास वैक्सीन के लिए 40 कैंडिडेट हैं जो कि क्लीनिकल ट्रायल के अलग-अलग स्तर पर हैं और उनमें से 10 तीसरे चरण में हैं। ये हमें बताएंगे कि वैक्सीन कितनी सुरक्षित है। हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी ने कोरोना टीके को लेकर कहा था कि देश में कई वैक्सीन पर काम चल रहा है और उपलब्ध होते ही टीके को हर नागरिक तक पहुंचाया जाएगा। पीएम मोदी ने ऐसे समय पर लोगों से सर्तकता बनाए रखने की अपील की, जब लगभग तीन महीने बाद देश में 50 हजार से कम कोविड-19 केस सामने आए हैं। पीएम मोदी ने कहा था कि, 'बरसों बाद हम ऐसा होता देख रहे हैं कि मानवता को बचाने के लिए युद्धस्तर पर काम हो रहा है। अनेक देश इसके लिए काम कर रहे हैं। हमारे देश के वैज्ञानिक भी वैक्सीन के लिए जी-जान से जुटे हैं। भारत में अभी कोरोना की कई वैक्सीन्स पर काम चल रहा है। इनमें से कुछ एडवान्स स्टेज पर हैं।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सरकार का आश्वासन

सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने जो कहा, उससे यह मान लिया जाना चाहिए कि जल्द ही राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण की समस्या को सुलझाने के गंभीर प्रयास होते दिखाई देंगे। सरकार ने कहा है कि इस क्षेत्र में प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए वह एक विधिक संस्था की स्थापना दो-तीन दिन में ही कर देगी। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने रिटायर्ड न्यायधीश मदन बी लोकुर की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई थी, जिसे पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसानों द्वारा पराली जलाने के इस क्षेत्र पर पड़ने वाले असर की जांच और उसे रोकने के तरीके सुझाने थे। अदालत में केंद्र सरकार ने जो तर्क दिया, वह पिछले कई दिनों से दोहराया जा रहा था। उसने कहा कि पराली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के प्रदूषण का सिर्फ एक कारक है और असल समस्या कहीं ज्यादा बड़ी है, इसलिए एक ऐसी स्थाई संस्था की जरूरत है, जो इसके सभी पक्षों पर एक साथ काम करे। अदालत ने इस तर्क को समझा और जस्टिस लोकुर की अध्यक्षता वाली समिति का समापन कर दिया। यानी अब केंद्र सरकार को इसके लिए सिर्फ संस्था बनाने का काम ही नहीं करना होगा, इसके भी पूरे प्रावधान करने होंगे कि दिल्ली और आस-पास के इलाके को हर साल इस मौसम में बन जाने वाले दमघोंटू माहौल से मुक्ति मिल सके। यह ठीक है कि पराली जलाने की बात को इन दिनों कुछ ज्यादा ही महत्व दे दिया जाता है, जबकि पूरे प्रदूषण में उसकी हिस्सेदारी बहुत नहीं है। अगर किसान पराली जलाना पूरी तरह से बंद कर दें, तो भी इस क्षेत्र की समस्या पर बहुत असर नहीं पड़ने वाला। सच यह भी है कि इस मौसम में हर साल जब यहां प्रदूषण बढ़ना शुरू होता है, तब दिल्ली की कई संस्थाओं और स्थानीय नेताओं के लिए सबसे सुविधाजनक यही होता है कि वे दूसरे प्रदेशों के किसानों के मत्थे आरोप मढ़कर अपन कर्तव्य पूरा मान लें। लेकिन इस सबके बावजूद धान या गेंहू की पराली जलाने को स्वीकार्य नहीं किया जाना चाहिए। अगर इसका धुंआ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को प्रदूषित नहीं भी कर रहा होता, तो भी स्थानीय स्तर पर इसका फैलना, स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर और सबसे बड़ी बात है कि ग्लोबल वार्मिंग के दौर में इससे होने वाला कार्बन उत्सर्जन, इन सब चीजों को किसी तरह से स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसलिए इसका समाधान निकाला जाना जरूरी है, ऐसा समाधान जो पहले से ही आर्थिक संकटों में फंसे किसानों पर किसी भी तरह का अर्थिक दबाव न बनाए। हालांकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के स्तर पर इसके जो समाधान निकाले जाने हैं, वे इससे भी आसान होंगे, बशर्ते कि इस क्षेत्र की सरकारें इसके लिए प्रतिबद्धता दिखाएं। अभी दो दिन पहले ही जब अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में हो रही बहस के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की हवा को गंदा कहा, तो हम सभी को बुरा लगा था, लेकिन तीन दिन बाद ही जब पूरा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र इस प्रदूषण से हर साल की तरह त्रस्त हो रहा था, तो अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पांपियो और रक्षा मंत्री मार्क इस्पर, दोनों देशों की महत्वपूर्ण वार्ता के लिए दिल्ली पधारे। जरा सोचिए कि वे अपने साथ दिल्ली की हवा की कौन सी छवि लेकर जाएंगे। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जो आश्वासन दिया है, उससे इसीलिए बहुत उम्मीदें हैं।

आज के ट्वीट

सपोर्ट

भारत को फ्रांस का पूरी तरह से सपोर्ट करना चाहिए फ़्रेंच उत्पादों पर कस्टम ड्यूटी घटानी चाहिए जिससे वहां के उत्पादों को भारत के मार्केट में जगह मिल सके?

\- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

रावण दहन में भी राजनीतिक कलुषता

– सियाराम पांडेय 'शांत'

त्योहार पहले भी मनाए जाते थे। आज भी मनाए जाते हैं और आगे भी मनाए जाते रहेंगे। इसकी वजह यह है कि भारत उत्सवधर्मी देश है। उमंग और उल्लास में जीने वाला देश है। जल्दी से जल्दी दुखों और परेशानियों से बाहर निकलना जानता है। भारत सकारात्मकता में यकीन रखता है। इस देश में त्योहार पहले उत्साह और सादगी से मनाए जाते थे। अब त्योहारों पर बाजार का रंग चढ़ गया है। बाजार नवोन्मेष चाहता है। नवोन्मेष में संदेश हो सकता है लेकिन जरूरी नहीं कि वह यथार्थ भी हो। नवोन्मेष में बनावटीपन और खिलंदड़पन भी होता है। ऐसे में त्योहार इस प्रवृत्ति के अपवाद कैसे हो सकते हैं? अब हर त्योहार नवोन्मेष के साथ मनता है। त्योहार बाद में आता है, उसके मनाने की योजना पहले बन जाती है। हर कोई एक-दूसरे से अलग और बेहतर ढंग से त्योहार मनाना चाहता है। दशहरा का त्योहार भी इसबार कुछ इसी तरह के नवोन्मेष के बीच मनाया गया। पहले रावण, कुंर्भकर्ण और मेघनाद के पुतले जलते थे। बाद के वर्षों में इन पुतलों का आकार बढ़ता गया। उसकी लंबाई, चौड़ाई, ऊंचाई बढ़ती गई, बिल्कुल आदमी के अहंकार की तरह। रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण की जगह बुराइयों के नाम दिए जाने लगे। समस्याओं के नाम दिए जाने लगे। बाद में इनके बहाने संदेशों की राजनीति होने लगी और इस साल तो गजब ही हो गया। पंजाब में कुछ लोगों ने रावण के पुतले के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुखौटा लगाकर उसे फूंक दिया। कुंभकर्ण और मेघनाद की जगह ली मुकेश अंबानी और गौतम अडानी ने। दशहरा वाले दिन एक तरफ जहां नरेंद्र मोदी को रावण साबित कर, उनका पुतला जलाने की कोशिश हो रही थी, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशवासियों के साथ अपने मन की बात साझा कर रहे थे। उन्हें त्योहार मनाने का फलसफा बता रहे थे। विषम परिस्थितियों में भी उल्लास और हौसले के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रहे थे। 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावभूमि से देश को जोड़ने की कोशिश कर रहे थे। लौह-पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की उस छवि की खुद कल्पना कर रहे थे और देश को सरदार पटेल की वह छवि दिखा रहे थे जिसमें लौहपुरुष राजे-रजवाड़ों से बात कर रहे थे, पूज्य बापू के जन-आंदोलन का प्रबंधन कर रहे थे और इसके साथ ही, अंग्रेजों से भी लड़ रहे थे। नरेंद्र मोदी अपने मन की बात कार्यक्रम में लौहपुरुष के 'सेंस ऑफ ह्यूमर' का जिक्र कर देशवासियों को नसीहत दे रहे थे कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विषम क्यों न हो, अपने 'सेंस ऑफ ह्यूमर' को जिंदा रखिये, यह हमें सहज तो रखेगा ही, समस्याओं के समाधान में भी हमारी मदद करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशवासियों को अपनी वाणी, व्यवहार और कर्म से हर पल उन सब चीजों को आगे बढ़ाने की बात कर रहे थे जो हमें 'एक' करने, देश के एक भाग में रहने वाले लोगों के मन में दूसरे कोने में रहने वाले नागरिक के लिए सहजता और अपनत्व का भाव पैदा करने की सलाह दे रहे थे, वहीं कुछ लोग पंजाब में उनका पुतला रावण के रूप में जला रहे थे। इसे विडंबना नहीं तो और क्या कहा जाएगा? वहीं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष इसे सही ठहराने की कोशिश कर रहे थे। वे प्रधानमंत्री को किसानों की बात सुनने की अपील कर रहे थे और तीन नए कृषि कानूनों के विरोध में पंजाब के किसानों के गुस्से को खतरनाक बता रहे थे। राहुल गांधी ने यहां तक कहा कि पंजाब में किसानों ने दशहरे के अवसर पर प्रधानमंत्री के पुतले जलाकर अपने गुस्से का इजहार किया और यह स्थिति

लोकतंत्र के लिए अच्छी नहीं है। वे पंजाब में किसान आंदोलन और तेज होने की भी धमकी दे रहे हैं। जब प्रधानमंत्री ने अपने मन की बात कार्यक्रम में पुलवामा के स्लेट और पेंसिल का जिक्र कर देश को यह बताने की कोशिश की है कि देश के शैक्षणिक विकास में पुलवामा की अहमियत क्या है? उसका योगदान क्या है? वे देश को यह बताने-जताने की कोशिश कर रहे थे कि जम्मू-कश्मीर को आतंक पट्टी के रूप में देखने वालों को उसे शिक्षण पट्टी के रूप में भी देखना चाहिए। उन्होंने कहा है कि कश्मीर घाटी, पूरे देश की करीब 90 फ़ीसदी लकड़ी की पट्टी की मांग को पूरा करती है और उसमें बहुत बड़ी हिस्सेदारी पुलवामा की है। एक समय हम विदेशों से पेंसिल के लिए लकड़ी मंगवाते थे लेकिन अब हमारा पुलवामा, इस क्षेत्र से, देश को आत्मनिर्भर बना रहा है। दशहरा पर्व असत्य पर सत्य की जीत का पर्व है लेकिन ये संकटों पर धैर्य की जीत का पर्व भी है। हम जिस तरह से आज कोरोना काल में संयम के साथ जी रहे हैं और मर्यादा के साथ पर्व मना रहे हैं इसलिए कोरोना के खिलाफ लड़ाई में हमारी जीत सुनिश्चित है। आगे आने वाले ईद ग्शरद पूर्णिमा, वाल्मीकि जयंती, धनतेरस, भाईदूज, गुरुनानक देव की जयंती और छठ जैसे पर्व में भी हमें कोरोना के संकटकाल में इसी संयम और मर्यादा से काम लेना है। उन्होंने देशवासियों से अपील की है कि वे त्योहार मनाते समय सीमाओं पर तैनात सैनिकों तथा रोजमर्रा के जीवन में उनकी मदद करने वाले कामगारों को भी अपनी खुशियों में शामिल करें और दीवाली पर एक दीपक उनके नाम का भी जलाएं। ऐसे में पंजाब में रावण के यप में प्रधानमंत्री का पुतला जलाया जाना कितना उचित है, इसे लेकर देश में राजनीतिक बहस-मुबाहिसों का दौर शुरू हो गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने इस घटना को राहुल गांधी द्वारा निर्देशित शर्मनाक नाटक करार दिया है। अपने ट्वीट में उन्होंने कहा है कि ऐसा नाटक अप्रत्याशित नहीं है क्योंकि नेहरू-गांधी राजवंश ने कभी प्रधानमंत्री कार्यालय का सम्मान नहीं किया। वर्ष 2004 से 2014 तक संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के कार्यकाल में प्रधानमंत्री के अधिकार को संस्थागत तौर पर कमज़ोर करते हुए देखा गया। वे यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा है कि निराशा और बेशर्मी का मेल खतरनाक है। कांग्रेस के पास दोनों है। जहां पार्टी में राहुल गांधी घृणा, क्रोध, झूठ और आक्रामकता की राजनीति दिखाते हैं वहीं उनकी मां सोनिया गांधी शालीनता और लोकतंत्र की सिर्फ बयानबाजी करके इसका पूरक बनती हैं। ये कांग्रेस पार्टी के दोयम दर्जे को दिखाता है। इस वंश को एक व्यक्ति से अधिक नफरत है जो गरीबी में पैदा हुआ और देश का प्रधानमंत्री बना। यह भारत देश में ही संभव है कि यहां लोकतंत्र के नाम पर,अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर प्रधानमंत्री को कुछ भी कहा जा सकता है। मौजूदा समय देश को हतोत्साहित करने का नहीं, कदम-कदम पर उसे प्रेरित करने, उसका मनोबल बनाए रखने का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस वास्तविकता को जानते हैं। देश में रावण की तलाश तो यह देश कर लेगा लेकिन अभी समय कोरोना के इस आपातकाल में अपने और अपने परिवार को सुरखित रखते हुए व्यापार, व्यवसाय, शिक्षा और स्वास्थ्य की गाड़ी को पटरी पर लाना है। यह समय राजनीतिक विभ्रम में फंसने का नहीं, बल्कि वह करने का है जिससे धर्म और जाति के नाम पर अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने वालों का चूल्हा बुझे। मौजूदा समय सोच-समझकर आगे बढ़ने और किसी के झांसे में न आने का है। रावण दहन का मतलब है कि हम अपने मन के बुरे भावों को विनष्ट करेंगे। रावण दहन में राजनीतिक कलुषता तो किसी भी लिहाज से ठीक नहीं है। काश, हम इस युगसत्य को समझ पाते। त्योहार को त्योहार की तरह मनाते। उसमें अनावश्यक राजनीति का घालमेल तो न करते। (लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

ज्ञान गंगा

बुद्धि का धर्म

आचार्य रजनीश ओशो/ बुद्ध का धर्म बुद्धि का धर्म कहा गया है। बुद्धि पर उसका आदि तो है, अंत नहीं। शुरुआत बुद्धि से है। प्रारंभ बुद्धि से है। क्योंकि मनुष्य वहा खड़ा है, लेकिन अंत उसका बुद्धि में नहीं है। अंत तो परम अतिक्रमण है, जहां सब विचार खो जाते हैं, सब बुद्धिमत्ता विसर्जित हो जाती है; जहां केवल साक्षी, मात्र साक्षी शेष रह जाता है, लेकिन बुद्ध का प्रभाव उन लोगों में तत्क्षण अनुभव होता है जो सोच-विचार में कुशल हैं। बुद्ध के साथ मनुष्य-जाति का एक नया अध्याय शुरू हुआ। पच्चीस सौ वर्ष पहले बुद्ध ने वह कहा जो आज भी सार्थक 'मालूम पड़ेगा, और जो आने वाली सदियों तक सार्थक रहेगा। बुद्ध ने विश्लेषण दिया, एनालिसिस दी। और जैसा सूक्ष्म विश्लेषण उन्होंने किया, कभी किसी ने न किया था, और फिर दोबारा कोई न कर पाया। उन्होंने जीवन की समस्या के उत्तर शास्त्र से नहीं दिए, विश्लेषण की प्रक्रिया से दिए। बुद्ध धर्म के पहले वैज्ञानिक हैं। उनके साथ श्रद्धा और आस्था की जरूरत नहीं है। उनके साथ तो समझ पर्याप्त है। अगर तुम समझने को राजी हो, तो तुम बुद्ध की नौका में सवार हो जाओगे। अगर श्रद्धा भी आएगी, तो समझ की छाया होगी, लेकिन समझ के पहले श्रद्धा की मांग बुद्ध की नहीं है। बुद्ध यह नहीं कहते कि जो मैं कहता हूं, भरोसा कर लो। बुद्ध कहते हैं, सोचो, विचारों, विश्लेषण करो, खोजो, पाओ अपने अनुभव से, तो भरोसा कर लेना। दुनिया के सारे धर्मो ने भरोसे को पहले रखा है, सिर्फ बुद्ध को छोड़कर। दुनिया के सारे धर्मो में श्रद्धा प्राथमिक है, फिर ही कदम उठेगा। बुद्ध ने कहा, अनुभव प्राथमिक है, श्रद्धा आनुसांगिक है। अनुभव होगा, तो श्रद्धा होगी। अनुभव होगा, तो आस्था होगी। इसलिए बुद्ध कहते हैं, आस्था की कोई जरूरत नहीं है; अनुभव के साथ अपने से आ जाएगी। और तुम्हारी लाई हुई आस्था का मूल्य भी क्या हो सकता है? तुम्हारी लाई आस्था के पीछे भी छिपे होंगे तुम्हारे संदेह। तुम आरोपित भी कर लोगे विश्वास को, तो भी विश्वास के पीछे अविश्वास खड़ा होगा। तुम कितनी ही दृढ़ता से भरोसा करना चाहो, लेकिन तुम्हारी दृढ़ता कंपती रहेगी और तुम जानते रहोगे कि जो तुम्हारे अनुभव में नहीं उतरा है, उसे तुम चाहो भी तो भी कैसे मान सकते हो? मान भी लो, तो भी कैसे मान सकते हो? तुम्हारा ईश्वर कोरा शब्दजाल होगा, जब तक अनुभव की किरण न उतरी हो। तुम्हारे मोक्ष की धारणा मात्र शाब्दिक होगी, जब तक मुक्तिका थोड़ा स्वाद तुम्हें न लगा हो।

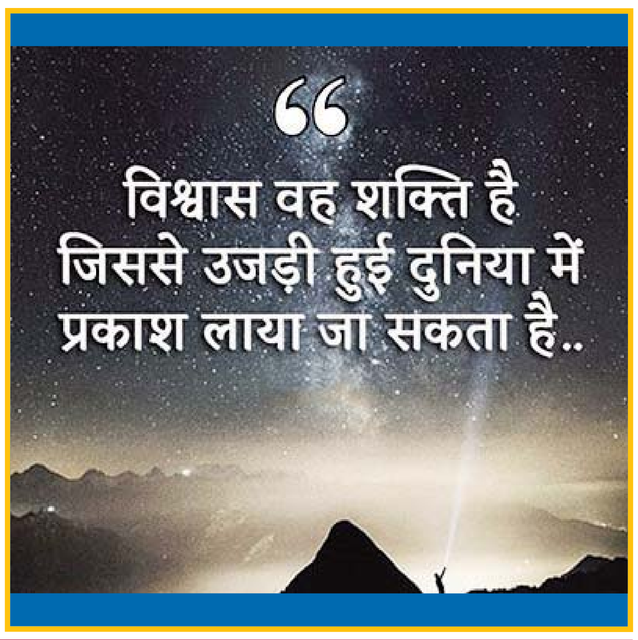

आयात कर बढ़ा मंदी से उबरेगा देश

भरत झुनझुनवाला

देश की अर्थव्यवस्था लगातार मंद पड़ती जा रही है। जून में तमाम संस्थाओं का आकलन था कि इस वर्ष देश की आय यानी जीडीपी में 5 प्रतिशत की गिरावट आएगी जो वर्तमान आकलन के अनुसार 10 प्रतिशत की गिरावट में तबदील हो गई है। कोरोना संकट के चलते आने वाले समय में गिरावट की दर में और वृद्धि होगी। इस पृष्ठभूमि में सरकार में उत्साह है कि ट्रैक्टर और निजी कारों की बिक्री में इजाफा हो रहा है। विशेषकर ट्रैक्टर की खरीद में पिछले वर्ष की तुलना में गत माह 75 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कार एवं मोटर साइकिल की बिक्री में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आकलन है कि प्रवासी मजदूरों की कमी होने के कारण देश के तमाम किसानों ने मजबूरी में ट्रैक्टर खरीदे हैं। इसी प्रकार सार्वजनिक यातायात जैसे बस और मेट्रो आदि की आवाजाही बंद होने के कारण लोगों ने कार और मोटर साइकिल खरीदी है। यह खरीद खुशहाली में नहीं की गई है। व्यवसायी और किसान के सामने इनकी खरीद के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं था। विकट परिस्थिति में की गई खरीद को विकास का जामा नहीं पहनाना चाहिए। सरकार ने बैंकों को आदेश दिया है कि वे निवेशकों और उपभोक्ताओं को भारी मात्रा में ऋण दें। निवेशक द्वारा लिए गये ऋण और उपभोक्ता द्वारा लिए गये ऋण के चरित्र में मौलिक अंतर होता है। निवेशक ऋण लेकर उसका निवेश करता है। जैसे वह कारखाना लगाता है अथवा दुकान खोलता है। इस निवेश से निवेशक समेत देश को अतिरिक्त आय होती है जो पूर्व में नहीं हो रही थी। उस आय से निवेशक ऋण और ब्याज दोनों की अदायगी कर लेता है। लेकिन खपत के ऋण का चरित्र बिल्कुल अलग होता है। खपत के लिए यदि आज आप ऋण लेते हैं तो उस ऋण पर दिए गये ब्याज से अंततः आपकी खपत कम होती है। ये ऋण अनुत्पादक होने के कारण नयी आय पैदा नहीं करते और अंत में उपभोक्ता पर बोझ बन जाते हैं। वर्तमान समय में जब आम आदमी की आय पहले ही दबाव में है, उसे ऋण लेकर अपने ऊपर ब्याज का अतिरिक्त बोझ नहीं लेना चाहिए। उपभोक्ता को ऋण देकर बाजार में मांग बढ़ाना समस्या का उपाय नहीं है। बाजार में मांग बढ़ाने का दूसरा उपाय है कि सरकार द्वारा कुछ रकम लोगों के खाते में सीधे ट्रांसफर कर दी जाए। सरकार ऋण लेकर यह रकम ट्रांसफर कर सकती है लेकिन लिए गए ऋण की रकम की भरपाई सरकार को अगले वर्ष टैक्स लगाकर उसी जनता से करनी पड़ेगी। इस प्रकार के ट्रांसफर से केवल तत्काल लाभ होगा जबकि आने वाले समय में नुकसान होगा, बिल्कुल वैसे ही जैसे ऋण लेने से होता है। दूसरा उपाय है कि सरकार नोट छापे लेकिन यह भी एक प्रकार का अप्रत्यक्ष टैक्स होता है क्योंकि नोट छपने से महंगाई बढ़ती है और पुनः आम आदमी की क्रय शक्ति में गिरावट आती है। जनता के खाते में सीधे रकम ट्रांसफर करने के लिए आय अर्जित करने का तीसरा उपाय है कि सरकार आयात कर में वृद्धि करे। बीते 6 वर्षों में सरकार के राजस्व में आयात कर के हिस्से में भारी गिरावट आई है। पूर्व में सरकार के कुल राजस्व में 18 प्रतिशत आयात कर का होता था। आज यह घटकर 12 प्रतिशत रह गया है। अर्थ हुआ कि सरकार ने आयात करों में कटौती करके आयात को प्रोत्साहन दिया है और राजस्व में हानि बर्दाश्त की है। बताते चलें कि विश्व व्यापार संगठन में हमने आश्वासन दे रखा है कि हम औसत 48 प्रतिशत से अधिक आयात कर नहीं लगायेंगे लेकिन वर्तमान में हमारा आयात कर 20 प्रतिशत के औसत से भी कम है। आयात कर को बढ़ाने में विश्व व्यापार संगठन आड़े नहीं आता। इसलिए सरकार के पास विकल्प है कि बीते 6 वर्षों से लागू की जा रही हानिप्रद नीति का त्याग करे और आयात करों में भारी वृद्धि करे। वर्तमान में सरकार को आयात कर से 170 लाख करोड़ रुपये प्रति वर्ष का राजस्व मिल रहा है। आयात कर दोगुना कर देने से आयात की मात्रा में कुछ कमी आएगी, फिर भी अनुमान है कि सरकार को 150 करोड़ की अतिरिक्त आय हो सकती है। इस रकम से देश के 135 करोड़ नागरिकों को प्रत्येक के खाते में 1100 रुपये अथवा प्रत्येक परिवार के खाते में 5500 रुपये प्रति वर्ष की रकम ट्रांसफर की जा सकती है। इस रकम से देश की जनता बाजार में माल खरीद सकती है। बाजार में मांग उत्पन्न हो जायेगी। इसके साथ ही आयात करों में वृद्धि होने से देश में अपना उत्पादन बढ़ेगा, लोगों को रोजगार मिलेगा और खपत एवं उत्पादन का सुचक्र पुनः स्थापित हो जाएगा। देशवासियों की निष्ठा स्वदेशी उत्पादों की खपत में बढ़ेगी, साथ ही सरकार की साख भी बढ़ेगी।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इस साल जीरो के करीब रहेगी जीडीपी ग्रोथ की दर: वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि अर्थव्यवस्था में अब सुधार के संकेत दिखने लगे हैं। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर में गिरावट होगी या फिर शून्य के करीब रहेगी।

अर्थव्यवस्था में 23.9 प्रतिशत की जबर्दस्त गिरावट

उन्होंने कहा कि 2020-21 की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था में 23.9 प्रतिशत की जबर्दस्त गिरावट आई है, जिससे पूरे वित्त वर्ष के दौरान जीडीपी की वृद्धि दर नकारात्मक या शून्य के करीब रहेगी।सेरा वीक के भारत ऊर्जा मंच को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने कोरोना वायरस महामारी की वजह से 25 मार्च से सख्त 'लॉकडाउन' लगाया था क्योंकि लोगों के जीवन को बचाना ज्यादा जरूरी था। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन की वजह से ही हम महामारी से निपटने के लिए तैयारियां कर सके। वित्त मंत्री ने कहा कि आर्थिक गतिविधियों को खोले जाने के साथ वृहद आर्थिक संकेतकों में सुधार दिखाई दे रहा है।

जीडीपी की वृद्धि दर शून्य के करीब

सीतारमण ने कहा कि त्योहारी सीजन से अर्थव्यवस्था को और रफ्तार मिलने की उम्मीद है। 'इससे चालू वित्त वर्ष की तीसरी और चौथी तिमाही में वृद्धि दर सकारात्मक रहने की उम्मीद है।' उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर 2020-21 में जीडीपी की वृद्धि दर नकारात्मक या शून्य के करीब रहेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि अगले वित्त वर्ष से वृद्धि दर में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि सरकार का जोर सार्वजनिक खर्च के जरिये आर्थिक गतिविधियां बढ़ाने पर है।

विस्तार भारत-बांग्लादेश के बीच पांच नवंबर से शुरू करेगी उड़ानें

मुंबई: निजी क्षेत्र की विमानन कंपनी विस्तार पांच नवंबर से भारत और बांग्लादेश के बीच अपनी उड़ानें शुरू करेगी। कंपनी इनकी शुरुआत दोनों देशों के बीच विशेष द्विपक्षीय उड़ान समझौते (एयर बबल पैक्ट) के तहत करेगी। विस्तार की इस घोषणा से एक दिन पहले ही स्पाइस जेट ने भी बांग्लादेश के लिए आठ उड़ानें शुरू करने की घोषणा की थी। इसमें चटगांव, ढाका इत्यादि के लिए उड़ानें शामिल हैं। विस्तार ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि वह दोनों देशों की राजधानियों के बीच पांच नवंबर से एक सीधी उड़ान शुरू करेगी। यह सप्ताह में दो दिन बृहस्पतिवार और रविवार को होगी। इसके लिए एयरबस ए320 नियो विमान का उपयोग किया जाएगा।कोविड-19 के दौर में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर विभिन्न तरह के प्रतिबंध हैं। ऐसे में कई देशों ने अपनी सुविधा और आवश्यकतानुसार द्विपक्षीय विशेष उड़ान समझौते किए हैं। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) लेस्ली थेंग ने कहा कि हमें अपने अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का विस्तार करते हुए खुशी है। इस चुनौतीपूर्ण समय में भी हम लगातार अपनी वैश्विक मौजूदगी बढ़ा रहे हैं। इससे पहले नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 17 अक्टूबर को ट्वीट कर घोषणा की थी कि भारत-बांग्लादेश के बीच हर हफ्ते 28 उड़ानों का परिचालन होगा।

सेंसेक्स 377 अंक उछला, कोटक बैंक के शेयर में 12 प्रतिशत की तेजी

मुंबई,

वैश्विक स्तर पर गिरावट के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 377 अंक मजबूत हुआ। कोटक महिंद्रा बैंक के बेहतर तिमाही परिणाम के बाद उसके शेयर में जोरदार लिवाली का बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। कारोबारियों के अनुसार एमएससीआई (मॉर्गन स्टेनले कैपिटल इंटरनेशनल) के बयान से निवेशकों की धारणा पर सकारात्मक असर पड़ा। उसने कहा है कि वह अपने वैश्विक सूचकांकों में बदलाव करेगा जिससे शेयरों के लिये देश की विदेशी मालिकाना हक की सीमा में बदलाव प्रतिबिंबित हो। इससे भारतीय शेयरों में एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशकों) का प्रवाह बढ़ने की उम्मीद है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 376.60 अंक यानी 0.94 प्रतिशत की बढ़त के साथ 40,522.10 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 121.65 अंक या 1.03 प्रतिशत मजबूत होकर 11,889.40 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स के शेयरों में कोटक महिंद्रा बैंक में जोरदार तेजी आयी। बैंक का जुलाई-सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 22 प्रतिशत उछलकर 2,947 करोड़ रुपये रहने के बाद उसका शेयर करीब 12 प्रतिशत उछला। बैंक ने इंडसइंड बैंक के विलय को लेकर अटकलों को खारिज नहीं किया है। निजी क्षेत्र के बैंक ने कहा कि हाल में जुटाए गए 7,000 करोड़ रुपये का उपयोग अधिग्रहण समेत अन्य कार्यों में सोच-समझकर किया जाएगा।

लाभ में रहने वाले अन्य प्रमुख शेयरों में नेस्ले इंडिया, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, एलएंडटी, एक्सिस बैंक और बजाज ऑटो शामिल हैं। दूसरी तरफ जिन प्रमुख शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें टीसीएस, ओएनजीसी, इन्फोसिस, एचडीएफसी और एसबीआई शामिल हैं। इनमें 2.09 प्रतिशत तक की गिरावट आयी।

भारती एयरटेल का सितंबर तिमाही का घाटा घटकर 763 करोड़ रुपये, आय 22 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली, दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल का घाटा वित्त वर्ष 2020-21 की जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही में घटकर 763 करोड़ रुपये रह गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कंपनी का घाटा 23,045 करोड़ रुपये था। हालांकि पिछले साल कंपनी के ज्यादा घाटे की प्रमुख वजह उच्चतम न्यायालय के आदेश पर समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) से जुड़ा बकाया अदा करने के लिए 28,450 करोड़ रुपये का प्रावधान करना था। कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय 22 प्रतिशत बढ़कर 25,785 करोड़ रुपये रही। इसका कारण कंपनी के विभिन्न पोर्टफोलियो का मजबूत वृद्धि करना है। बयान में कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ)- भारत एवं दक्षिण एशिया गोपाल विट्ठल ने कहा, '' आम तिमाहियों से कमजोर तिमाही रहने के बावजूद कंपनी की आय में सालाना आधार पर 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह बेहतर प्रदर्शन है।'' उन्होंने कहा कि कंपनी अपना लाभ बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। एजीआर के मुद्दे पर कंपनी ने कहा कि उसने सरकार के सामने अपनी बात रखी है और दूरसंचार विभाग द्वारा मांगे गए बकाये का 10 प्रतिशत से अधिक वह पहले भुगतान कर चुकी है।

हीरो मोटोकॉर्प, हार्ले डेविडसन ने भारतीय बाजार के लिए हाथ मिलाया

नयी दिल्ली, देश की सबसे बड़ी दोपहिया कंपनी हीरो मोटोकॉर्प और अमेरिका की बाइक कंपनी हार्ले-डेविडसन ने भारतीय बाजार के लिए गठजोड़ की घोषणा की है। दोनों कंपनियों ने मंगलवार को संयुक्त बयान में कहा कि वितरण करार के तहत हीरो मोटोकॉर्प हार्ले-डेविडसन मोटरसाइकिलों की बिक्री करेगी। इसके अलावा वह ब्रांड-विशिष्ट हार्ले-डेविडसन के डीलरों के नेटवर्क तथा हीरो के मौजूदा डीलरशिप नेटवर्क के जरिये कलपुर्जों और एक्सेसरीज और अन्य सामान तथा उपकरणों और परिधानों की बिक्री भी करेगी। बयान में कहा गया है कि लाइसेंसिंग करार के तहत हीरो मोटोकॉर्प हार्ले-डेविडसन ब्रांड नाम से प्रीमियम मोटरसाइकिलों का विकास और बिक्री करेगी। यह हार्ले-डेविडसन की कारोबार में बदलाव की रणनीति के अनुरूप है। बयान में कहा गया है कि यह व्यवस्था दोनों कंपनियों तथा भारत में यात्रियों की दृष्टि से लाभदायक है। इससे हार्ले-डेविडसन का चर्चित ब्रांड और हीरो मोटोकॉर्प का मजबूत वितरण नेटवर्क और ग्राहक सेवा साथ आएंगे। इस साल सितंबर में हार्ले-डेविडसन ने भारत में अपने बिक्री और विनिर्माण परिचालन को बंद करने की घोषणा की थी। करीब एक दशक पहले कंपनी ने भारत में प्रीमियम मोटरसाइकिलों की बिक्री शुरू की थी।

ब्याज पर ब्याज माफी से 75% कर्जदारों को होगा फायदा, 5 नवंबर तक खाते में आएंगे पैसे

बिजनेस डेस्क:

बैंकों और वित्तीय संस्थानों से लिए गए 40 फीसदी से अधिक लोन और 75 फीसदी कर्जदार कम्पाउंड इंटरेस्ट यानी ब्याज-पर-ब्याज से राहत देने के निर्णय से लाभान्वित होंगे। वहीं इससे सरकारी खजाने पर करीब 7,500 करोड़ रुपए का बोझ आएगा। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। सरकार ने पिछले शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कहा कि वह 2 करोड़ रुपए तक के लोन पर कम्पाउंड इंटरेस्ट से छूट देगी। इसके तहत बैंकों को कम्पाउंड इंटरेस्ट और साधारण ब्याज के बीच अंतर की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। उसने कहा कि यह सुविधा सभी कर्जदारों को मिलेगी। भले ही उसने किस्त भुगतान को लेकर दी गई मोहलत का लाभ उठाया हो या नहीं लेकिन इसके लिए शर्त है कि कर्ज की किस्त का भुगतान फरवरी के अंत तक होता रहा हो यानी संबंधित लोन नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स (**NPA**) नहीं हो।

75% कर्जदारों को मिलेगा लाभ

क्रिसिल ने एक रिपोर्ट में कहा, इस प्रकार के कर्ज संस्थागत व्यवस्था (बैंक, वित्तीय संस्थान) द्वारा दिए गए कर्ज का 40 प्रतिशत है। इससे 75 प्रतिशत कर्जदारों को लाभ होगा। जबकि सरकार के खजाने पर करीब 7,500 करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। इसमें कहा गया है कि अगर यह राहत केवल उन्हीं को दी जाती, जिन्होंने कोविड-19 महामारी (**COVID-19 Pandemic**) के कारण रिजर्व बैंक द्वारा कर्ज लौटाने को लेकर दी गई मोहलत का लाभ उठाया, तो सरकारी खजाने पर बोझ आधा ही पड़ता।

5 नवंबर तक खाते में आएगी रकम

सरकार ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों से 5 नवंबर तक पात्र कर्जदारों के खाते में राशि डालने को को कहा है। यह राशि छूट अवधि छह महीने के दौरान संचयी ब्याज और साधारण ब्याज का अंतर के बराबर होगी। क्रिसिल के अनुसार अगर 2 करोड़ रुपए तक कर्ज लेने वाले पात्र कर्जदारों को ब्याज-पर-ब्याज समेत पूरी तरह से ब्याज पर छूट दी जाती तो सरकारी खजाने पर बोझ 1.5 लाख करोड़ रुपए पड़ता। इससे सरकार के साथ-साथ वित्तीय क्षेत्र के लिए वित्तीय मोर्चे पर समस्या होती। छूट योजना के दायरे में स्स्स्ध (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम), शिक्षा, होम, उपभोक्ता टिकाऊ, क्रेडिट कार्ड, वाहन, पर्सनल लोन, पेशेवेर और उपभोग लोन को शामिल किया गया है।

सिडबी के स्टैंडअप मित्र पोर्टल से 21,000 करोड़ रुपये के 96,000 ऋण को मंजूरी

मुंबई, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने मंगलवार को कहा कि उसके 'स्टैंडअप मित्र' पोर्टल ने सितंबर अंत तक 21,000 करोड़ रुपये से अधिक के 96 हजार से अधिक ऋण को मंजूरी दी है। सिडबी द्वारा विकसित इस पोर्टल को अप्रैल 2016 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य में बैंक में जाने की जरूरत पड़े बिना ऑनलाइन वित्तीय सहायता प्रदान करना और स्टैंड-अप इंडिया योजना के तहत ऑनलाइन ऋण के लिये आवेदन करने में मदद करना है। सिडबी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि स्टैंडअप मित्र पोर्टल ने 30 सितंबर, 2020 तक 21,000 करोड़ रुपये से अधिक के 96,000 से अधिक ऋण को मंजूरी दी है। स्टैंड-अप इंडिया योजना का उद्देश्य देश भर में महिलाओं, अनुसूचित जातियों (अनुसूचित जाति) और अनुसूचित जनजातियों (अनुसूचित जनजाति) को उद्योग स्थापित करने के लिये 10 लाख रुपये से एक करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करना है। सिडबी के उप प्रबंध निदेशक वी सत्य वेंकट राव ने कहा, ''हमें खुशी है कि लगभग एक लाख लोगों ने स्टैंड-अप इंडिया के तहत अपने नये उद्यम स्थापित करने का विकल्प चुना है।''

केंद्र सरकार ने 10 दिन में किए 4 बड़े ऐलान, कर्मचारियों को होगा फायदा

बिजनेस डेस्क:

केंद्र सरकार ने 10 दिन के भीतर 4 बड़ी घोषणाएं कीं। इसके तहत सरकारी ही नहीं प्राइवेट कर्मचारियों को भी फायदा मिलेगा। जहां 30 लाख सरकारी कर्मचारियों के लिए बोनस का ऐलान किया गया है। वहीं, इससे पहले एलटीसी (**LTC**) कैश वाउचर स्कीम का फायदा सरकारी के साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को भी देने की घोषणा हुई। वहीं, अब सरकार ने बड़ा ऐलान करते हुए पुरुष कर्मचारियों को चाइल्ड केयर लीव का फायदा देने की बात कही है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि ऐसे सरकारी पुरुष कर्मी अब बच्चों की देखभाल संबंधी छुट्टी लेने के हकदार हैं जो सिंगल पैरेंट हैं। इन घोषणाओं पर अमल करने से जहां लोगों को त्योहारों में नकदी की समस्या से निजात मिलेगा। वहीं, केंद्र सरकार पर 15,312 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

दिवाली बोनस

केंद्र सरकार ने बीते हफ्ते सरकारी कर्मचारियों के लिए दीपावली बोनस देने का ऐलान किया। ये बोनस डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के जरिए सीधे कर्मचारियों के बैंक खातों में भेजे जाएंगे। इससे केंद्र सरकार के 30 लाख कर्मचारियों को फायदा मिलेगा। केंद्र ने बताया कि 3737 करोड़ रुपए के इस बोनस का भुगतान तुरंत शुरू होगा। इसके तहत सरकार के कमर्शियल एस्टेब्लिशमेंट जैसे रेलवे, पोस्ट ऑफिस, डिफेंस प्रोडक्शंस, ईपीएफओ, एम्प्लॉय स्टेट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन के 17 लाख नॉन-गैजेटेड एम्प्लॉयज को 2,791 करोड़ रुपए का प्रोडक्टिविटी लिंक्ड इंसेंटिव (**PLI**) बोनस के तौर पर दिया जाएगा। वहीं, केंद्र सरकार में काम करने वाले 13 लाख कर्मचारियों को 906 करोड़ रुपए का नॉन-प्रोडक्टिविटी लिंक्ड (**Non-PLI**) बोनस दिया जाएगा।

एलटीए के बदले एलटीसी कैश वाउचर स्कीम

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कुछ दिन पहले स्पेशल **LTC** कैश वाउचर स्कीम का ऐलान किया था। इसका फायदा केंद्र के कर्मचारियों को मिलेगा। इस स्कीम में एलटीए के बदले कर्मचारियों को कैश वाउचर मिलेगा। इसका इस्तेमाल 31 मार्च 2021 के पहले करना होगा। स्कीम के तहत सरकारी कर्मचारी लीव इनकैशमेंट और तीन बार टिकट किराए का लाभ कैश के रूप में ले सकते हैं। साथ ही 12 फीसदी से ज्यादा जीएसटी वाले उत्पाद खरीने का भी विकल्प मिलेगा। इसका लाभ लेने के लिए उन्हें डिजिटल पेमेंट करना होगा और जीएसटी इनवॉइस दिखाना होगा। केंद्र की ओर से सरकारी बैंकों (**PSBs**) के कर्मचारियों पर होने वाला खर्च 5,675 करोड़ और सरकारी कंपनियों (**PSUs**) के कर्मचारियों के लिए 1,900 करोड़ रुपए होगा।

ले सकते हैं एडवांस में 10 हजार रुपए

सरकार ने कर्मचारियों के लिए तीसरी स्कीम स्पेशल फेस्टिवल एडवांस स्कीम शुरू की है। इसके जरिए कर्मचारी एडवांस में 10 हजार रुपए ले सकेंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्कीम का ऐलान करते हुए बताया कि सभी केंद्रीय कर्मचारी इसका फायदा उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारी भी इसका फायदा उठा सकते हैं लेकिन इसके लिए राज्य सरकारों को ये प्रस्ताव मानने होंगे। स्कीम का फायदा उठाने के लिए कर्मचारियों को रूपे प्री-पेड कार्ड मिलेगा। यह पहले से रिचार्ज होगा। इसमें 10 हजार रुपए मिलेंगे। साथ ही इस पर लगने वाले सभी बैंक चार्जेस भी सरकार वहन करेगी। एडवांस में ली गई रकम को कर्मचारी 10 महीने में चुका सकते है यानी हजार रुपए महीने की किस्त चुकानी होगी। इस योजना के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारियों पर 4000 करोड़ रुपए खर्च होगा।

अब सिंगल फादर को भी मिल सकेगी छुट्टी

देश में अब सरकारी नौकरी करने वाले सिंगल मेल पैरेंट को भी चाइल्ड केयर लीव का फायदा मिल सकेगा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि ऐसे सरकारी पुरुष कर्मी अब बच्चों की देखभाल संबंधी छुट्टी लेने के हकदार हैं जो सिंगल पैरेंट हैं। उन्होंने कहा कि सिंगल पैरेंट में ऐसे कर्मचारी शामिल हैं जो अविवाहित, विधुर या तलाकशुदा हैं। जितेन्द्र सिंह ने कहा कि इस बारे में कुछ दिन पहले आदेश जारी किया गया था। उन्होंने कहा कि पहले साल चाइल्केयर लीव को सिंगल पैरेंट 100% लीव सैलरी की तरह यूज कर सकते हैं, अगले साल से इसे 85% लीव सैलरी की तरह इस्तेमाल कर पाएंगे।

अब Air Asia में उड़ान के दौरान मिलेगा खाना, एयरलाइन ने फिर शुरू की सेवा

बिजनेस डेस्क:

कोरोनावायरस महामारी की वजह से लंबे समय से एयरलाइंस में भोजन सर्विस पर रोक के बाद अब हालात बदलने लगे हैं। एयरलाइन कंपनी एयर एशिया इंडिया ने कहा कि उसने सरकार की तरफ से जारी गाइडलाइंस में ढील के बाद फ्लाइट में भोजन सर्विस फिर से शुरू कर दी है। एयरलाइन ने फ्लाइट में भोजन के लिए पहले से ऑर्डर बुक करने की सुविधा भी दी है। एयरलाइन ने बयान जारी कर कहा कि एयरएशिया इंडिया का इन-फ्लाइट मेनु अब आसमान में भी आपको भोजन की बड़ी रेंज उपलब्ध कराएगा। इसमें 9 आइटम वैगन फूड के होंगे, इसके अलावा शाकाहारी भोजन, एगिटेरियन, पेस्केटेरियन (मछली से बने खाद्य पदार्थ) और जैन भोजन के ऑप्शन भी उपलब्ध होंगे।

साफ-सफाई का रखा जाएगा विशेष ध्यान

बयान में आगे कहा गया कि सेफ्टी के उच्चतम मानदंडों को अपनाते हुए एयरएशिया इंडिया जानी-मानी केटरिंग 'स्काईगोरमेट' और 'ताजएसएटीएस एयर केटरिंग' का भोजन उपलब्ध कराएगी. भोजन सर्व करने में साफ सफाई और स्वच्छता के मामले में एएसएसएआई के खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

पहले थी यह सुविधा

इसके पहले चाय या कॉफी सहित दूसरे गरम पेय पदार्थों को परोसने पर भी बैन लगाया गया था। एयरलाइंस को केवल पैक्ड फूट आइटम और ठंडे नॉन-एल्कोहलिक बेवरेज और पानी की बोतलें सर्व करने की परमिशन दी गई थी। अब इसमें राहत है, कुछ समय पहले इसी तरह फ्लाइट में एंटरटेनमेंट की सुविधाओं को भी बहाल कर दिया गया था। हां, शर्त यह रखी गई थी कि पैसेंजरों की बोर्डिंग से पहले बैक-आफ-सीट इनफ्लाइट एंटरटेनमेंट (आईएफई) स्क्रीन को सैनेटाइज किया जाएगा। जब से सरकार ने फ्लाइट में खाना सर्व करने के मामले में ढील दी है, एयरलाइंस को अपने मेनु में भी बदलाव करना पड़ा है। सरकार के इस फैसले से वैसी एयरलाइंस कंपनियों को फायदा होगा जो कम किराए में अपनी सर्विस दे रही हैं। इससे इनकम भी बढ़ेगा। बीते कुछ महीनों में घरेलू पैसेंजर्स की संख्या में अच्छी तेजी देखने को मिली है।

रिजर्व बैंक ने कर्जदाता संस्थानों से ब्याज माफी पांच नवंबर तक लागू करने को कहा

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सभी कर्जदाता संस्थानों से मंगलवार को कहा कि वे दो करोड़ रुपये तक के कर्ज के लिये हाल ही में घोषित ब्याज माफी योजना को लागू करें।

इस योजना के तहत दो करोड़ रुपये तक के कर्ज पर ब्याज के ऊपर लगने वाला ब्याज एक मार्च, 2020 से छह महीने के लिये माफ किया जायेगा। सरकार ने पात्र ऋण खातों के लिये चक्रवृद्धि ब्याज और साधारण ब्याज के बीच के अंतर के भुगतान को लेकर अनुदान की योजना की 23 अक्टूबर को घोषणा की थी। सरकार ने सभी बैंकों को पांच नवंबर तक चक्रवृद्धि ब्याज व साधारण ब्याज के अंतर को कर्जदारों के खाते में जमा करने के लिये कहा था। रिजर्व बैंक ने एक अधिसचूना में कहा, ''सभी ऋणदाता संस्थानों को योजना के प्रावधानों द्वारा निर्देशित होने और निर्धारित समयसीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई करने की सलाह दी जाती है।'' वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने एक ट्वीट में कहा, ''रिजर्व बैंक ने सभी ऋणदाता संस्थानों को कहा है कि वे योजना के प्रावधानों से निर्देशित हों और सभी पात्र खाताधारकों को छह महीने की तय अवधि के लिये चक्रवृद्धि ब्याज तथा साधारण ब्याज के अंतर की राशि का भुगतान करें। रिजर्व बैंक ने सभी संस्थानों को तय समयसीमा में आवश्यक कदम उठाने को कहा है।'' वित्त मंत्रालय ने ब्याज माफी योजना को लागू करने के लिये उच्चतम न्यायालय के निर्देश की पृष्ठभूमि में परिचालन दिशानिर्देश जारी किया था।

शीर्ष अदालत ने 14 अक्टूबर को केंद्र को निर्देश दिया था कि वह कोविड-19 महामारी के मद्देनजर आम लोगों के हित में यथाशीघ्र उन्हें राहत देने की योजना लागू करे।रिजर्व बैंक ने कोरोना वायरस महामारी के मद्देनर लोगों को राहत देने तथा अर्थव्यवस्था की मदद करने के लिये एक मार्च, 2020 से अगले छह महीने तक के लिये कर्ज की किस्तों के भुगतान से राहत दी थी।

ई-कॉमर्स कंपनियों ने सात दिन में 29000 करोड़ का सामान बेचा, हर मिनट बिके 1.5 करोड़ रुपए के फोन

नई दिल्ली।

ई-कॉमर्स कंपनियों ने 15 से 21 अक्टूबर के बीच अपनी त्योहारी सेल के पहले हफ्ते में 4.1 अरब डॉलर यानी करीब 29,000 करोड़ रुपये का सामान बेचा है। यह पिछले साल के मुकाबले 55 प्रतिशत अधिक है। फेस्टिव सेल के दौरान हर मिनट करीब 1.5 करोड़ रुपये मूल्य के स्मार्टफोन की बिक्री हई। बाजार आंकड़े जुटाने वाली कंपनी रेडसीर ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

हर मिनट करीब 1.5 करोड़ स्मार्टफोन की बिक्री

पिछले साल कंपनियों ने अपनी त्योहारी सेल के दौरान पहले हफ्ते में 2.7 अरब डॉलर का सामान बेचा था। रेडसीर ने इस साल त्योहार से पहले वाली सेल में ई-कॉमर्स कंपनियों के चार अरब डॉलर का सामान बेचने का अनुमान जताया था। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनियों की कुल त्योहारी बिक्री में स्मार्टफोन की हिस्सेदारी सबसे अधिक यानी 47 प्रतिशत रही। इसकी वजह ज्यादा से ज्यादा नए मॉडलों या सस्ते स्मार्टफोन को बाजार में उतारना रहा। फ्लिपकार्ट, अमेजन, स्नैपडील इत्यादि समेत विभिन्न ई-वाणिज्य मंचों पर सेल के पहले हफ्ते में हर मिनट करीब 1.5 करोड़ रुपये मूल्य के स्मार्टफोन की बिक्री हई।

फ्लिपकार्ट ने बाजी मारी

रेडसीर ने कहा कि त्योहारी बिक्री में फ्लिपकार्ट और अमेजन की कुल भागीदारी 90 प्रतिशत रही और इसमें वालमॉर्ट समूह की फ्लिपकार्ट ने बाजी मारी। दोनों की कुल बिक्री में से 68 प्रतिशत हिस्सेदारी फ्लिपकार्ट के पास रही। रेडसीर कंसल्टिंग के निदेशक मृगांक गुटगुटिया ने कहा, 'ई-कॉमर्स कंपनियों ने हमारे कुछ हफ्ते पहले के अनुमान से अधिक बिक्री की। यह देश में ग्राहकों की खरीद धारणा में फिर से सुधार को दिखाता है।' क्षेत्र के आधार पर दूसरे दर्जे के शहरों की हिस्सेदारी सेल के दौरान अधिक रही और उम्मीद से ज्यादा ग्राहक इन शहरों से मिले। रिपोर्ट के मुताबिक इस साल त्योहारी सेल के दौरान खरीदारी करने वाले ग्राहकों की संख्या 5.2 करोड़ तक पहुंच गयी जो पिछले साल की 2.8 करोड़ के मुकाबले 85 प्रतिशत अधिक है। इसमें से करीब 55 प्रतिशत ग्राहक आसनसोल, लुधियाना, धनबाद, राजकोट, जैसे दूसरे दर्जे के शहरों से मिले।

टाटा मोटर्स को जुलाई-सितंबर तिमाही में 307 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा

मुंबई:

टाटा मोटर्स को चालू वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 307.26 करोड़ रुपए का एकीकृत घाटा हुआ है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2019-20 की इसी अवधि में कंपनी को 187.7 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ था। शेयर बाजार को दी जानकारी में कंपनी ने मंगलवार को कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय घटकर 53,530 करोड़ रुपए रही। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 65,431.95 करोड़ रुपए थी। एकल आधार पर कंपनी को समीक्षाधीन तिमाही में 1,212.45 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ। जबकि पिछले साल समान तिमाही में कंपनी को 1,281.97 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। एकल आधार पर कंपनी की परिचालन आय इस दौरान 9,668.10 करोड़ रुपए रही जो पिछले साल समान तिमाही में 10,000.48 करोड़ रुपए थी। आलोच्य तिमाही में कंपनी की इकाई जगुआर लैंड रोवर की आय 4.4 अरब पौंड रही। यह चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि के मुकाबले 52.2 प्रतिशत अधिक है। हालांकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 28.5 प्रतिशत कम है। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी के इस ब्रांड ने कर पूर्व 6.5 करोड़ पौंड का लाभ अर्जित किया है। यह इससे पिछली अप्रैल-जून तिमाही के 41.3 करोड़ पौंड के नुकसान से बेहतर स्थिति है। जबकि पिछले साल समान तिमाही में इस ब्रांड का कर पूर्व लाभ 15.6 करोड़ पौंड था। कंपनी ने कहा, ''कई देशों में कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर के डर और भूराजनीतिक जोखिमों के बावजूद कंपनी को आने वाले महीनों में मांग एवं आपूर्ति बढ़ने की उम्मीद है। इससे धीरे-धीरे सुधार होने की उम्मीद है।''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्वालिटी एजुकेशन का गढ़ बना यूके

यदि आप हायर एजुकेशन के लिए विदेशी डिग्री की तलाश कर रहे हैं तो आपके लिए यूके से बेहतर जगह नहीं हो सकती। दरअसल यहां पर कई ऐसी विश्वविद्यालय हैं, जो स्तरीय शिक्षा मुहैया कराती हैं, जो विश्व स्तर पर भी मान्य हैं तथा उन्हें अच्छा रैंक भी प्राप्त है। बस जरूरत है सही प्रोग्राम के चयन की। देखा जाए तो यूके में हर स्तर के प्रोग्राम मौजूद हैं। अब यह आप पर निर्भर करता है कि आप खुद को किस फ्रेम में ढाल सकते हैं। इसमें कई तरह के डिवीजन बनाए गए हैं, जिसके अनुसार कोर्स अथवा प्रोग्राम का चयन होता है। ये निम्न हैं -

- सर्टिर्फिकेट कोर्स
- इंटरमीडिएट या फाउंडेशन कोर्स
- ऑर्डिनरी या बैचलर डिग्री
- डिप्लोमा डिग्री
- बैचलर (ऑनर्स)
- ग्रेजुएट सर्टिफिकेट एवं ग्रेजुएट डिप्लोमा
- ल्लमास्टर डिग्री
- पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- डॉक्ट्रेट

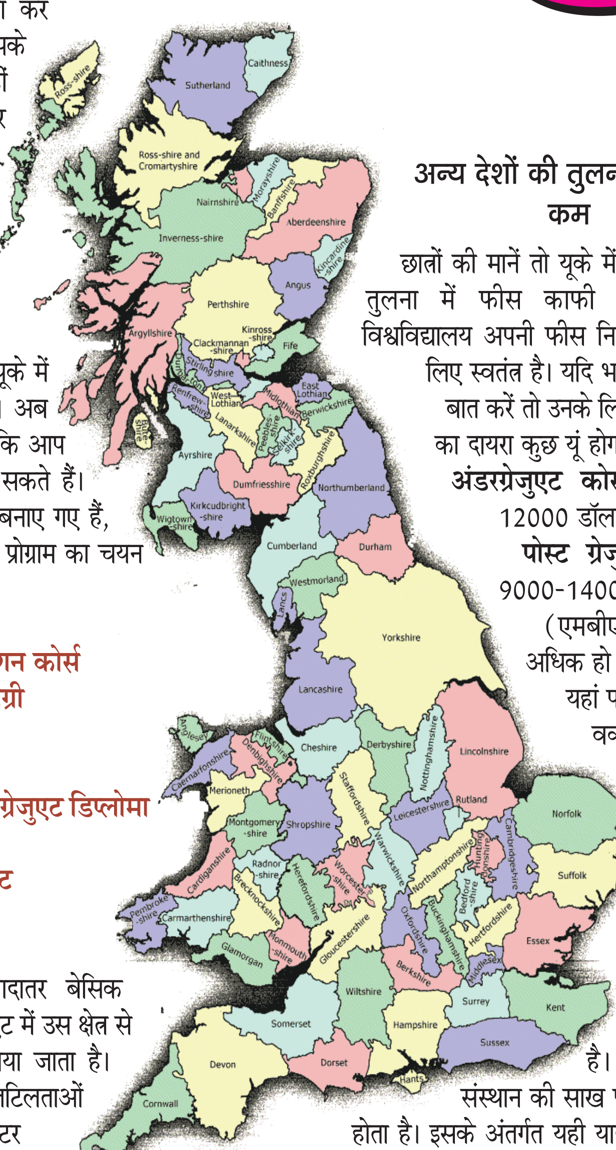

सर्टिफिकेट कोर्स में यादातर बेसिक नॉलेज दी जाती है। इंटरमीडिएट में उस क्षेत्र से संबंधित सिद्धान्तों को समझाया जाता है। ऑनर्स के तहत ज्ञानवर्धक जटिलताओं को स्पष्ट किया जाता है। मास्टर डिग्री में किसी भी एप्लीकेशन की ऑरिजनेलिटी का ध्यान रखा जाता है तथा रिसर्च के जरिए उसे और अधिक समझने योग्य बनाया जाता है। इसमें रिसर्च एवं कोर्स दोनों का मेल होता है तथा आगे चल कर एमफिल का रास्ता खुल जाता है, जबकि डॉक्ट्रेट प्रोग्राम में नॉलेज की व्याख्या से लेकर उसके निर्माण पर बल दिया जाता है। इसकी भी सारी बुनियाद रिसर्च पर रखी जाती है। रिसर्च होल्डर नॉलेज एवं समझ को प्रोजेक्ट के जरिए लोगों के सामने लाते हैं।

हाई रेटिंग प्रोग्राम

यूके की लगभग सभी डिग्रियों को विश्व स्तर पर ख्याति प्राप्त है। यही कारण है कि इनकी रेटिंग भी काफी ऊंची होती है। यहां पर क्वालिटी की जांच करने के लिए क्वालिटी एसुरेंस एजेंसी (क्यूएए) स्थापित की गई है, जिसका कार्य विश्वविद्यालय एवं कॉलेज द्व ारा चलाए जा रहे प्रोग्राम की क्वालिटी को परखना होता है, ताकि कोर्स एवं शिक्षा का स्तर बरकरार रहे। क्यूएए निरंतर अपनी समीक्षा की रिपोर्ट देती है एवं जहां दिशा-निर्देश की जरूरत होती है, वहां अपनी राय भी देती है। यह एक सार्वजनिक रिपोर्ट होती है, जिसके जरिए शिक्षा का स्तर बरकरार रहता है। कई इंस्टीटयूट्स ने तो अपनी खुद की क्वालिटी एसुरेंस एजेंसी स्थापित कर रखी है। स्वतंत्र रूप से चलने वाले संस्थानों का भी यह उत्तरदायित्व होता है कि वे इस स्टैंडर्ड को बनाए रखें। इसके बदले उन्हें सरकारी फंड आदि प्राप्त होता है।

अन्य देशों की तुलना में फीस कम

छात्रों की मानें तो यूके में अन्य देशों की तुलना में फीस काफी कम है तथा विश्वविद्यालय अपनी फीस निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र है। यदि भारतीय छात्रों की बात करें तो उनके लिए प्रतिवर्ष फीस का दायरा कुछ यूं होगा-

अंडरग्रेजुएट कोर्स - 7000-12000 डॉलर

पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स - 9000-14000 डॉलर (एमबीए की फीस अधिक हो सकती है)

यहां पर लेबोरेटरी एवं वर्कशॉप पर आधारित कोर्स की फीस अन्य क्लास रूम कोर्स की अपेक्षा 15-20 प्रतिशत अधिक होती है। इसमें काफी संस्थान की साख पर भी आधारित होता है। इसके अंतर्गत यही याद रखना चाहिए कि इसमें ट्यूशन फीस भी कुल खर्च के दायरे में आती है, जबकि यहां पर रहने का खर्च अन्य देशों की तुलना में कुछ अधिक है। इस हिसाब से वार्षिक खर्च 5500-8000 डॉलर के करीब बैठता है। लंदन एवं दक्षिणी-पूर्वी क्षेत्र इससे भी अधिक खर्चीले साबित हो सकते हैं।

पार्टटाइम सुविधाएं

यदि कोई छात्र, जो छह महीने से लंबी अवधि के लिए वहां जाता है तो उसके लिए सप्ताह में 20 घंटे तक पार्टटाइम काम करने की व्यवस्था है, परन्तु वह इससे अधिक घंटे तक काम नहीं कर सकता। कई ऐसी विश्वविद्यालय हैं, जो अपने छात्रों को पार्टटाइम काम करने के लिए किफायती समय उपलब्ध कराती हैं, ताकि वे अपने खर्च का भार कुछ सीमा तक रोक सकें, जबकि कुछ 15-16 घंटे से यादा काम करने की छूट नहीं देतीं। छुट्टियों के दौरान छात्र फुल-टाइम काम कर सकते हैं। इसके लिए यूके में ठहरने वाले छात्रों को एक स्टिकर या स्टैम्प दी जाती है। यदि आपको 12 महीने से यादा पढ़ने का अवसर मिला है तो फुलटाइम काम भी कर सकते हैं।

टॉप यूनिवर्सिटी एवं संस्थान

यहां पर कई जानी-मानी संस्थाओं की यूनिवर्सिटीज कार्यरत हैं। ऐसे में छात्र अच्छी यूनिवर्सिटी अथवा संस्था के बारे में सोच सकते हैं। इसके बारे में अधिक जानकारी वेबसाइट से मिल सकती है। इनमें मुख्यत- ऑक्सफोर्ड, कैंब्रिज, इंवेरियल कॉलेज, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, सेंट एंड्रूज, पारपिक, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन, डरहम, ब्रिस्टल, किंग्स कॉलेज लंदन, स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज, साउथम्पटन, एडिनबर्ग, लैंकेस्टर न्यूफैस्टल, बरमिंघम आदि।

कहां करें संपर्क

अधिक जानकारी एवं रजिस्ट्रेशन के लिए निम्न स्थानों से संपर्क किया जा सकता है-

ब्रिटिश हाई कमीशन, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110021, ब्रिटिश डिप्टी हाई कमीशन, 20 एंडरसन रोड, चेन्नई, ब्रिटिश काउंसिल डिविजन, 737, अन्ना सलाय, चेन्नई।

कम्प्यूटर अकाउंटेंसी में संभावनाएं

कम्प्यूटर क्रांति एवं बदलते जमाने के साथ अकाउंटेंसी और अकाउंटेंट के काम करने के तरीके भी काफी बदल गए हैं। कम्प्यूटर ने अकाउंटेंसी को मोटे-मोटे रजिस्टरों और बही खातों से छुटकारा दिला दिया। सरकारी तथा गैर सरकारी महकमों में इनकी जगह अब कम्प्यूटरों ने ले ली है, जिसमें हर तरह के डाटा का अथाह भंडार स्टोर किया जा सकता है।

सभी छोटी-बड़ी कंपनियों को भी अब कॉमर्स एक्सपर्ट के बजाए कम्प्यूटर अकाउंटेंसी में दक्ष व्यक्ति की तलाश होती है। कम्प्यूटर अकाउंटेंसी संबंधी कोर्स फिलहाल निजी क्षेत्र के संस्थानों में ही उपलब्ध हैं, जो कहीं अधिक व्यावहारिक साबित हो रहे हैं। यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में अभी भी कॉमर्स के ट्रेडिशनल कोर्स ही संचालित हैं। जल्दी नौकरी पाने की आकांक्षा रखने वाले युवाओं के लिए यह क्षेत्र संभावनाओं से भरा हुआ है, क्योंकि कम्प्यूटर अकाउंटेंसी का कोर्स करने के तुरंत बाद नौकरी मिल जाती है। किसी भी विषय समूह से बारहवीं उत्तीर्ण विद्यार्थी छः माह से एक वर्ष के कम्प्यूटर अकाउंटेंसी कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। यदि किसी ने पहले से ही बीकॉम कर रखा है, तो जॉब पाने के लिए कम्प्यूटर अकाउंटेंसी का कोर्स कर लेना उसके लिए बहुत फायदे का सौदा होता है। कम्प्यूटर अकाउंटेंसी का कोर्स करने के उपरांत देश ही नहीं, विदेश में भी रोजगार की उजली संभावनाएँ हैं। कम्प्यूटर अकाउंटेंसी का कोर्स मध्यप्रदेश के लगभग सभी जिलों में उपलब्ध है, जिनमें जानकारी लेकर एवं उपयुक्त पाए जाने पर प्रवेश लिया जा सकता है।

नाकामी ही बनाती है कामयाब

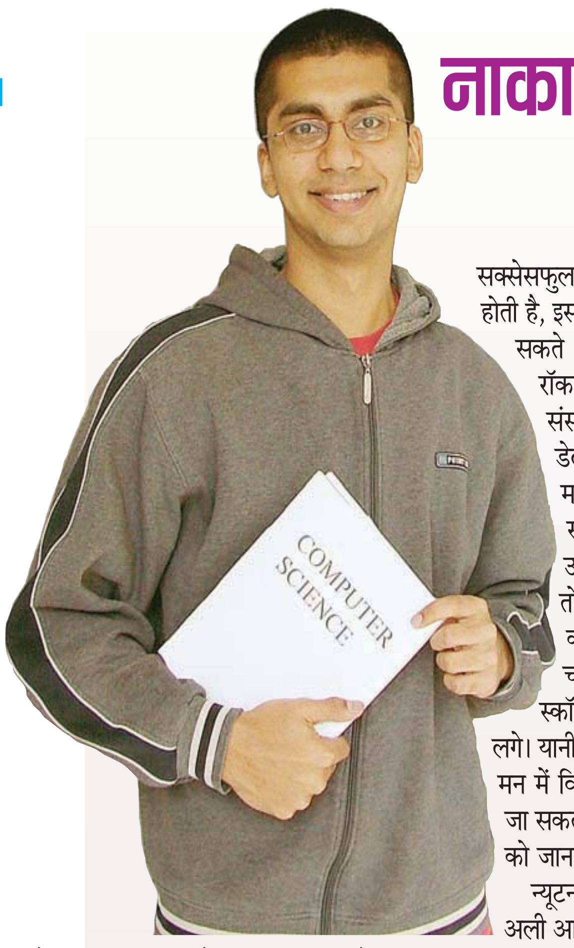

सक्सेसफुल लोगों की जिंदगी हमेशा असफलता से शुरू होती है, इसके एक नहीं कई उदाहरण इतिहास में देखे जा सकते हैं। अमेरिका के पहले अरबपति जॉन डी. रॉकफेलर सीनियर, फोर्ड मोटर कंपनी के संस्थापक हेनरी फोर्ड, विश्वप्रसिद्ध कंप्यूटर कंपनी डेल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी माइकल डेल, माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स जैसे सैकड़ों-हजारों सफल व्यक्तियों ने शिक्षा क्षेत्र में बहुत बड़ी उपलब्धि कभी हासिल नहीं की। इनमें से कई तो उच्च शिक्षा भी प्राप्त नहीं कर पाए और कई को बीच में ही पढ़ाई छोड़नी पड़ गई। आगे चलकर यही लोग स्कूल-कॉलेजों में स्कॉलरशिप बांटने और डॉक्टरेट की उपाधियां पाने लगे। यानी जीवन में पढ़ाई-लिखाई जरूरी तो है पर अगर मन में विश्वास है तो उसके बिना भी बहुत कुछ किया जा सकता है। जरूरत है बस अपने अंदर छिपी प्रतिभा को जानने और उस पर अमल करने की।

न्यूटन, आइंस्टीन, सचिन तेंडुलकर, पेले, मोहम्मद अली आदि हर व्यक्ति जीवन में कभी न कभी असफल जरूर हुए हैं। आम आदमी और इनमें सिर्फ यही अंतर रहा कि इन्होंने असफलताओं से सीख लेकर उसी को सफलता की सीढ़ी बना लिया। एडमंड हिलेरी माउंट एवरेस्ट के शिखर तक पहुँचने वाले पहले इंसान थे, लेकिन वे भी एक बार के प्रयास में ही सफल नहीं हो गए थे। उन्होंने 1952 में माउंट एवरेस्ट पर चढने की कोशिश की, पर असफल रहे। इस अभियान के कुछ हफ्ते बाद जब एक कार्यम में उनसे कुछ बोलने के लिए कहा गया तो उन्होंने माउंट एवरेस्ट की एक तस्वीर की ओर रुख करके जोशिले अंदाज में मुक्का ताना और कहा, तुमने मुझे पहली बार तो हरा दिया माउंट एवरेस्ट, लेकिन अगली बार मैं तुम्हें हराऊँगा, क्योंकि तुम तो बढ नहीं सकती, पर मैं आगे बढ़ सकता हूँ और अगले वर्ष 29 मई, 1953 को एडमंड हिलेरी ने यह कर भी दिखाया।

हिन्दी फिल्मों के सुपर स्टार अभिनेता अमिताभ बच्चन- एक बार रेडियो स्टेशन का ऑडिशन टेस्ट/ भी पास नहीं कर पाए थे। फिल्मों में आने के बाद भी उनकी शुरूआती फिल्में लगातार फ्लॉप होती रही, पर उनके मन में आशा का दीपक जलता रहा। इसी आशा के बल पर आज वे सदी के महानायक कहलाते हैं। यानी कभी-कभी एक असफलता भी सैकड़ों सफलताओं से बढ़कर साबित होती है।

फिटनेस ट्रेनिंग में करियर

आज फिटनेस ट्रेनर की माँग जिम, बड़े होटल, हेल्थ क्लब, फिटनेस सेंटर, स्पा, टूरिस्ट रिसोर्ट आदि जगहों पर है। कुछ अनुभव लेकर आप स्वयं का फिटनेस सेंटर भी शुरू कर सकते हैं। यहाँ तक कि बड़ी-बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियाँ भी अपने कर्मचारियों के लिए समय-समय पर वर्कप्लेस वेलनैस तथा फिटनेस प्रोग्राम का आयोजन करती हैं, जहाँ फिटनेस ट्रेनर की जबर्दस्त माँग होती है।

आज फिटनेस ट्रेनर की माँग जिम, बड़े होटल, हेल्थ क्लब, फिटनेस सेंटर, स्पा, टूरिस्ट रिसोर्ट जैसी तमाम जगहों पर है। कुछ समय का अच्छा अनुभव लेकर आप स्वयं का फिटनेस सेंटर भी शुरू कर सकते हैं। यहाँ तक कि बड़ी-बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियाँ भी अपने कर्मचारियों के लिए समय-समय पर वर्कप्लेस वेलनैस तथा फिटनेस प्रोग्राम का आयोजन करती हैं, जहाँ फिटनेस ट्रेनर की जबरदस्त माँग होती है। फिटनेस इंडस्ट्री आज अपनी चरम पर है। आज भारत में फिटनेस उद्योग 2,000 करोड़ रुपए से भी अधिक पर हिस्सा रखता है। हाई टेक जिम और हेल्थ क्लब ने इसको युवाओं के बीच और अधिक प्रचलित बनाया है। कोर्स के बाद आप इसमें से किसी भी करियर का चुनाव कर सकते हैं -

एथलीट ट्रेनर, डाइटिशियन, स्पोर्ट्स कोच, फिजिकल थेरेपिस्ट, कार्य का दायरा

एक फिटनेस ट्रेनर के तौर पर आपको शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ एरोबिक्स, फैलेक्सीबिल्टी ट्रेनिंग, बीएमआई, पोषण तथा ट्रेनिंग से जुड़े समस्त उपकरणों आदि का ज्ञान होना अनिवार्य है। इससे लोगों को सही सलाह देने में आसानी होती है। यदि आपको ये समस्त जानकारी है तो आप उनके शरीर के ढांचे और वजन को देखते हुए उनके लिए एक अच्छी डाइट निर्धारित कर सकते हैं और फिट रहने के लिए उपकरणों के सही प्रयोग के बारे में ज्ञान दे सकते हैं। एक फिटनेस ट्रेनर को मूलतः फिटनेस, न्यूट्रिशियन, वेट मैनेजमेंट, स्ट्रैस रिडियूशन, हेल्थ रिस्क मैनेजमेंट आदि जैसे विषयों पर ध्यान देना होता है। एरोबिक्स इंस्ट्रक्टर के तौर पर आप वर्कआउट सत्र में एरोबिक्स, स्टेचिंग तथा मसल्स एक्सरसाइस पर ध्यान देते हैं। खेल जगत में एथलीट का स्टेमिना बढ़ाने के लिए आप जॉगिंग, वेट लिफ्टिंग, पुशअप जैसे विशेष व्यायामों पर जोर देते हैं। यदि आप योग व नैचुरोपैथी एक्सपर्ट हैं तो व्यायाम से रोग-मुक्त रहने के गुर भी सीखाते हैं। फिटनेस ट्रेनर के रूप में आपको अच्छी बातचीत और व्यावहारिक कला भी आनी चाहिए क्योंकि आप कई प्रकार के लोगों के संपर्क में आते हैं। हालाँकि कोर्स के तुरंत बाद मासिक आय कुछ कम होती है पर अनुभव के साथ-साथ आप हाइट एंड फिटनेस सेंटर, स्पा और रिसोर्ट से जुड़कर अच्छी कमाई कर सकते हैं।

विदेशी भाषाओं में बढ़ते अवसर

भूमंडलीकरण के वर्तमान दौर में विदेशी भाषाओं में बढ़ते रोजगार अवसरों को ध्यान में रखते हुए दिल्लाविश्वविद्यालय ने विदेशी भाषाओं के डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और एडवांस डिप्लोमा पाठ्यम प्रारंभ किए हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय की आर्ट्स फैकल्टी स्थित जर्मनिक एंड रोमेंस विभाग 4 विदेशी भाषाओं में बीए ऑनर्स का डिग्री कोर्स चलाता है।

फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश, इटेलियन में चलने वाले इस कोर्स में 100 सीटें हैं। यहाँ दाखिले के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा में बैठने के लिए न्यूनतम 45 प्रश अंकों के साथ बारहवीं पास होना जरूरी है। इन पाठ्यमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 11 जून 2010 है। प्रवेश हेतु होने वाली प्रवेश परीक्षा में अँगरेजी भाषा की समझ, लिखने की शैली, सामान्य ज्ञान, कॉम्प्रीहेंशन व लघु निबंध से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं।

यहाँ से डिग्री कोर्स करने के उपरांत छात्रों को दुभाषिया, विदेशी दूतावास, अनुवादक, भाषा शिक्षक, टूरिस्ट सेंटर या कॉल सेंटर में काम करने का मौका मिलता है। आईटी कंपनियों में भी इनके लिए रोजगार के अवसर हैं। इस तरह के रोजगार अवसर सर्टिफिकेट, डिप्लोमा आदि करने के उपरांत भी मिलते हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय में पोर्तुगीज, रोमैनियन, बल्गेरियन, चेक, पोलिश, हंगेरियन, ेशिएन, एशियन, जापानी, कोरियन आदि भाषाओं में भी विभिन्न पाठ्यम उपलब्ध हैं। इन पाठ्यमों में दाखिला जून-जुलाई माह में होता है। पाठ्यमों में दाखिले हेतु मेरिट लिस्ट में प्रवेश परीक्षा व 12वीं में प्राप्त अंक दोनों को जोड़ा जाता है। 70 प्रश्न 12वीं के अंक से और 30 प्रश्न टेस्ट के अंक के जोड़ से मेरिट बनती है।

ड्रीम11 से जुड़े 53 लाख कोकरेंट यूजर्स

नई

फेंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म ड्रीम11 ने मंगलवार को कहा कि उसने 14 अक्टूबर को 53 लाख कोकरेंट यूजर्स (एक समय सक्रिय कुल खिलाड़ी) का टारगेट पूरा किया। ड्रीम11 आईपीएल के 13वें सीजन का टाइटिल स्पांसर है और कारण इसके ऐप पर आईपीएल के 12वें सीजन की तुलना में ट्रैफिक में 44.4 फीसदी की इजाफा देखने को मिल रहा है। भारत में ड्रीम11 सबसे बड़ा फेंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म है और इसके साथ कुल 9 करोड़ यूजर्स जुड़े हुए हैं। ड्रीम 11 ने एक प्रणाली/एकीकृत बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है जो आधारभूत कार्यभार के 1.5 गुना से अधिक को संभालने के लिए कुशल ऑटो-स्केलिंग को सपोर्ट करता है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान, वन-डे और टी-20 में केएल राहुल को उप-कप्तानी, इन खिलाड़ियों को मिली जगह

मुंबई।

क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए सोमवार को टीम इंडिया का ऐलान कर दिया। वन-डे और टी-20 में चोटिल रोहित शर्मा की जगह केएल राहुल को उप-कप्तान बनाया गया है। टी-20 में ऋषभ पंत की जगह संजू सैमसन को विकेटकीपिंग का जिम्मा दिया गया है। टी-20 और वन-डे में मयंक अग्रवाल को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। वहीं, रोहित शर्मा और ईशांत शर्मा को चोट की वजह से टीम में शामिल नहीं किया गया है। वरुण चक्रवर्ती और मोहम्मद सिराज टीम इंडिया में नए चेहरे आईपीएल में दिल्ली के खिलाफ 5 विकेट लेने वाले वरुण चक्रवर्ती को भी टी-20 टीम में शामिल किया गया है। टेस्ट में मोहम्मद सिराज नया चेहरा हैं। टी-20 और वन-डे टीम में हार्दिक पंड्या की लंबे अरसे बाद वापसी हुई है।

T-20 टीम- विराट कोहली (कप्तान), शिखर धवन, मयंक अग्रवाल, केएल राहुल (उपकप्तान 3 विकेट कीपर), श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, हार्दिक पांड्या, संजू सेमसन (विकेट कीपर), रविंद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, युजवेंद चहल, जस्प्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, नवदीप सैनी, दीपक चाहर, वरुण चक्रवर्ती।

ODI टीम- विराट कोहली (कप्तान), शिखर धवन, शुभमन गिल, केएल राहुल (उपकप्तान 3 विकेट कीपर), श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, हार्दिक पांड्या, मयंक अग्रवाल, रविंद्र जडेजा, युजवेंद चहल, कुलदीप यादव, जस्प्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, नवदीप सैनी, शार्दुल ठाकुर।

Test टीम- विराट कोहली (कप्तान), मयंक अग्रवाल, पृथ्वी शॉ, केएल राहुल, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्या रहाणे (उपकप्तान), हनुमा विहारी, शुभमन गिल, ऋद्धिमान साहा (विकेटकीपर), रिषभ पंत (विकेटकीपर), जस्प्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, उमेश यादव, नवदीप सैनी, कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, मोम्मद सिराज।

3 वन-डे, 3 टी-20 और 4 टेस्ट खेलेगी भारतीय टीम

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाली भारतीय टीम 4 टेस्ट मैच, 3 वन-डे और 3 टी-20 मैच खेलेगी। 27 नवंबर से सीमित ओवर के मैच खेले जाएंगे, जबकि 4 मैचों की टेस्ट सीरीज के मुकाबले 17 दिसंबर से शुरू होंगे। तीन मैचों की वन-डे सीरीज का पहला मुकाबला 27 नवंबर को, दूसरा मुकाबला 29 नवंबर को और तीसरा मैच एक दिसंबर को खेला जाएगा। वहीं टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला चार दिसंबर को, दूसरा 6 और तीसरा 8 दिसंबर को खेला जाएगा।

गांगुली ने दिए संकेत, परिवार के साथ आस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकते हैं खिलाड़ी

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) के मेडिकल स्टाफ क्वारंटीन नियमों और आयोजन स्थल तथा राज्यों के बीच यात्राओं जैसे प्रमुख मुद्दों को हल करने के लिए बैठक में व्यस्त हैं। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट में भी यह दावा किया गया था कि क्वारंटीन को लेकर भारतीय टीम में दुविधा थी कि क्या खिलाड़ी अपने परिवार के साथ आस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकेंगे या नहीं। रिपोर्ट में कहा गया है, भारतीय टीम के करीबी सूत्रों ने कहा है कि खिलाड़ियों के बीच यह दुविधा कायम है कि क्या वे अगले महीने अपने पविवार के साथ आस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकते हैं या नहीं। ये खिलाड़ी अभी संयुक्त अरब अमीरात में हैं और उन्हें सिडनी जाना है, जहां वे 14 दिन के लिए क्वारंटीन में रहेंगे। कुछ खिलाड़ी चाहते हैं कि उनकी पत्नी और बच्चे भी साथ जाएं जबकि अन्यों का मानना है कि अगर परिवार होटल में रुकते हैं तो यह उनके लिए बहुत मुश्किल होगा। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने द ऐज और सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि खिलाड़ियों के साथ परिवारों को भी इस दौरे पर जाने दिया जाएगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, आस्ट्रेलिया में खिलाड़ियों के पहले ही बायो-बबल (खिलाड़ियों को खेलने के लिए बनाए गए नियमों के तहत सुरक्षित माहौल) में रहने की घोषणा की है। आईपीएल के दौरान वह लोग भी करीब 80 दिनों से आईपीएल में बायो-बबल में रह रहे हैं।

पिता मुझसे कहते थे, हर मैच में नाबाद रहा करो : मनदीप

शारजाह। आईपीएल-13 के मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 66 रनों की नाबाद पारी खेलने वाले किंग्स इलेवन पंजाब के बल्लेबाज मनदीप सिंह ने अपने इस पारी को अपने स्वर्गीय पिता को समर्पित किया है। मनदीप ने 56 गेंद पर आठ चौके और दो छक्के लगाए। उन्होंने क्रिस गेल के साथ शतकीय साझेदारी निभाई और उनके आउट होने के बाद भी टीम को जीत तक पहुंचाया। मनदीप ने बताया कि उन्होंने इस मैच में अपने पिता की चाहत पूरी की, जिनका कुछ दिन पहले ही निधन हो गया था। मनदीप ने मैच के बाद कहा, यह बहुत खास था। मेरे पिता मुझे अक्सर कहते थे कि हर मैच में नाबाद रहा करो, तो वाकई यह खास है। वो मुझे यह बात हमेशा ही कहा करते थे, चाहे आप 100 रन बनाइए या फिर 200 आपको आउट नहीं होना चाहिए। उन्होंने साथ ही कहा कि कप्तान लोकेश राहुल ने उन्हें अपना स्वभाविक खेल खेलने को कहा था। मनदीप ने आगे कहा, मेरी राहुल से मैच शुरू होने के पहले बात हुई थी। पिछले मुकाबले में मैं तेजी से रन बनाने की कोशिश कर रहा था लेकिन ऐसा करने में सहज नहीं हो पा रहा था। मैंने राहुल से कहा था अगर मैं अपना स्वभाविक खेल खेलूंगा तो मैच को जिताऊंगा और मुझे इस बात का यकीन था। उन्होंने मेरे खेल का समर्थन किया और जिस तरह से मैं खेलना चाहता था वैसे ही खेला। टीम को मिली इस जीत से मैं बहुत खुश हूं। मनदीप के अलावा गेल ने भी 29 गेंदों पर 51 रनों की पारी खेली और दूसरे विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी करके टीम को जिताया। मनदीप ने कहा, गेल मुझे कह रहे थे लगातार बल्लेबाजी करते रहो और आखिर तक खेलो। मैंने उनको कहा कि आपको कभी भी रिटायर नहीं होना चाहिए। वो वाकई बहुत ही कमाल हैं, मैं वाकई काफी उत्साहित था।

भारत-आस्ट्रेलिया बॉक्सिंग डे टेस्ट में दर्शकों के आने की उम्मीद

मेलबर्न। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में होने वाले आगामी बॉक्सिंग डे टेस्ट में दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश करने की अनुमति मिलने की उम्मीद है। ऐसा इसलिए संभव हो पाया है क्योंकि विक्टोरिया स्टेट के प्रमुख डैनियल एंड्रयूज ने कोरोना के मामलों में कमी आने के बाद लॉकडाउन में ढील देने का फैसला किया है। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू की रिपोर्ट के अनुसार, विक्टोरिया स्टेट के प्रमुख डैनियल एंड्रयूज ने कहा, बॉक्सिंग डे टेस्ट का अलग महत्व है। मुझे पूरा विश्वास है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में एमसीजी मैदान पर दर्शकों को प्रवेश मिलेगी। मुझे नहीं पता कि कितने दर्शकों को प्रवेश मिल सकता है, लेकिन वहां पर दर्शक होंगे और इस दिशा में काम किया जा रहा है। 2018-19 में भारत ने जब पिछली बार आस्ट्रेलिया का दौरा किया था तो उसने विराट कोहली की कप्तानी में एमसीजी में तीसरा टेस्ट जीतकर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने पास बरकरार रखी थी। आस्ट्रेलिया दौरे पर भारत को 27 नवंबर 2020 से 19 जनवरी 2021 तक तीन टी20, तीन वनडे और चार मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। हालांकि अभी तक आधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा नहीं हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि सीमित ओवरों के मैच सिडनी और कैनबरा में खेले जाएंगे। भारत का आस्ट्रेलिया दौरे पर होने वाले मैचों के अस्थाई कार्यक्रम के अनुसार, पहले दो वनडे 27 और 29 नवंबर को होगा जबकि तीसरा वनडे एक दिसंबर को सिडनी में खेला जाएगा। वहीं, पहला टी20 कैनबरा में चार दिसंबर को खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमें छह और आठ दिसंबर को होने वाले अंतिम दो टी20 मैचों के लिए सिडनी लौट आएगी।

सीमित ओवरों की सीरीज के बाद दोनों टीमें 17 से 21 दिसंबर तक एडिलेड में पहला टेस्ट मैच खेलेगी। दूसरा टेस्ट मैच इसके बाद खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल में लगातार दो शतक धवन की बहुत बड़ी उपलब्धि : गंभीर

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज शिखर धवन की तारीफ करते हुए कहा है कि आईपीएल में लगातार दो शतक लगाना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। धवन ने पिछले सप्ताह आईपीएल-13 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ नाबाद 101 और किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ नाबाद 106 रन बनाए थे। वह आईपीएल में लगातार दो शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। गंभीर ने क्रिकेट लाइव शो में कहा, पहली बात तो ये कि रिकॉर्ड अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। किसी अन्य भारतीय ने अब तक यह नहीं किया है। किसी अन्य खिलाड़ी ने आईपीएल में अब तक यह नहीं किया है। लगातार दो शतक, वह भी एक टी20 प्रारुप में। उन्होंने कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उनका ये शतक ऐसे समय पर आया, जब दिल्ली को इसकी सख्त जरूरत थी। अगर इस समय सबसे अनुभवी बल्लेबाज अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं तो दिल्ली कैपिटल्स के लिए यह एक फायदा

भारतीय टेस्ट टीम में चुना जाना राहुल की किस्मत : मांजरेकर

नई दिल्ली। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि लोकेश राहुल बेहद भाग्यशाली हैं कि वह आईपीएल और सीमित ओवरों के प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टेस्ट टीम में चुने गए हैं। राहुल को दिसंबर-जनवरी में आस्ट्रेलिया दौरे पर होने वाली चार मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। आईपीएल-13 में किंग्स इलेवन पंजाब की कप्तानी कर रहे राहुल ने लीग के मौजूदा सीजन में 12 मैचों में अब तक 595 रन बनाए हैं और ऑरेंज कैप अब तक उनके ही पास हैं। मांजरेकर ने ट्विटर पर कहा, यह एक खराब उदाहरण बनाया जा रहा है, टेस्ट टीम के लिए खिलाड़ी का चयन आईपीएल के प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। आप एक खराब उदाहरण सेट करते हैं, जब आईपीएल के प्रदर्शन के आधार पर टेस्ट टीम में चयन करते हैं। खासकर तब, जबकि खिलाड़ी का पिछला कुछ टेस्ट मैच अच्छा नहीं रहा है। वो खिलाड़ी सफल होता है या असफल यह बाते मायने नहीं रखती है। इस तरह के चयन से रणजी में खेलने वाले खिलाड़ियों का मनोबल टूटता है। वेस्टइंडीज सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद्‌नराहुल को टेस्ट टीम से बाहर किया गया था। उन्होंने चार पारियों में कुल मिलाकर 101 रन ही बनाए थे। न्यूजीलैंड के दौरे पर गई इंडिया-ए टीम में भी उनका चयन नहीं किया गया था। मांजरेकर ने राहुल के पिछले पांच मैचों के टेस्ट प्रदर्शन को सामने रखते हुए कहा, राहुल ने पिछली पांच टेस्ट सीरीज -दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड घर पर वेस्टइंडीज के खिलाफ औसत प्रदर्शन किया। मैं कहना चाहूंगा वो बेहद भाग्यशाली हैं कि आइपीएल में किए प्रदर्शन के आधार पर उनको टेस्ट टीम में वापस बुलाया गया। अब उसकी उम्मीद करनी चाहिए कि वह इस मौके को ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाएंगे। उनको मेरी तरफ से शुभकामनाएं। राहुल ने भारत के लिए अब तक 36 टेस्ट मैचों में 2006 रन बनाए हैं।

बिस्ला, रसेल समेत 5 विदेशी खिलाड़ी लंका प्रीमियर लीग से बाहर हुए

कोलंबो।

भारत के मनविंदर बिस्ला, वेस्टइंडीज के आलराउंडर आंद्रे रसेल और दक्षिण अफ्रीका के फाफ डु प्लेसिस सहित पांच विदेशी खिलाड़ियों ने लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) से अपना नाम वापस ले लिया गया है। उनके अलावा डेविड मिलर और डेविड मलान ने भी अगले महीने से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। मिलर, डु प्लेसिस और मलान 27 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच शुरू होने वाले सीमित ओवरों की सीरीज के कारण लंका प्रीमियर लीग से अनुपलब्ध हो गए हैं। वहीं, रसेल चोट के कारण बाहर हो गए हैं। बिस्ला को लेकर ऐसा माना जा रहा है कि उन्होंने कोई कारण नहीं बताया गया है। एलपीएल के निदेशक रविन विक्रमरत्ने ने क्रिकइन्फो से कहा, जिन फ्रेंचाइजियों के पास ये खिलाड़ी थे, उनकी जगह लेने के लिए अन्य खिलाड़ियों से बातचीत करनी होगी। मनप्रीत गोनी और मनविंदर बिस्ला को लीग की फ्रेंचाइजी कोलंबो किंग्स ने अपने साथ जोड़ा था। लीग में पांच टीमें भाग ले रही हैं। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गोनी ने भारत के लिए अब तक दो वनडे मैच खेले हैं। इसमें एक उन्होंने हांगकांग के खिलाफ और दूसरा बांग्लादेश के खिलाफ खेला है। 44 साल के गोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग में अब तक 44 मैच खेले हैं। उनके अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज बिस्ला ने अब तक 35 आईपीएल मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 798 रन बनाए हैं।

लंका प्रीमियर लीग 21 नवंबर से शुरू होगी और यह 13 दिसंबर तक चलेगी। 23 मैचों की एलपीएल लीग रांगिरी डांबुला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, पाल्लेकल अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और सुरीयावेवा महिंदा राजपक्षे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेली जाएगी।

ऑरेंज कैप राहुल के पास, रबादा के पास पर्पल कैप बरकरार

शारजाह।

आईपीएल-13 में 46 मैचों की समाप्ति के बाद किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल ने ऑरेंज कैप और दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज कगिसो रबादा ने पर्पल कैप अपने पास ही रखी है। राहुल के 12 मैचों में 595 रन हैं। दूसरे स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स के शिखर धवन हैं, जिनके नाम 11 मैचों से 471 रन हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली 11 मैचों से 415 रनों के साथ तीसरे नंबर पर है। गेंदबाजों में रबादा सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की सूची में पहले स्थान पर हैं। रबादा ने 11 मैचों में अब तक 23 विकेट लिए हैं। किंग्स इलेवन पंजाब के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी 12 मैचों में 20 विकेट से दूसरे नंबर पर हैं। राजस्थान रॉयल्स के जोफरा आर्चर 12 मैचों में 17 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। इस बीच, पंजाब 12 मैचों से 12 अंक लेकर अंकतालिका में चौथे नंबर पर पहुंच गई हैं। मुंबई इंडियंस 11 मैचों में 14 अंकों के साथ टॉप पर कायम है। उसके बाद दिल्ली और फिर बेंगलोर है।

आस्ट्रेलिया दौरे से पहले फिट हो जाएंगे ईशांत : रिपोर्ट

नई दिल्ली। चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन से बाहर हुए ईशांत शर्मा भारतीय टीम के आस्ट्रेलियाई दौरे तक फिट हो जाएंगे। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होगा, इस पर हालांकि कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। वेबसाइट ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के मुखिया राहुल द्रविड़ ने बीसीसीआई को लिखे पत्र में बताया है कि ईशांत 18 नवंबर से गेंदबाजी करना शुरू कर देंगे। आईपीएल में चोटिल होने के बाद ईशांत ईलाज के लिए एनसीए गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, एनसीए ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि ईशांत को पूरी तरह से फिट घोषित किया जाए इससे पहले जरूरी है कि वह एक अभ्यास मैच खेलें। यह ईशांत की 2020 में दूसरी चोट है। इस साल फरवरी में वह अपना टखना चोटिल कर बैठे थे।

आलंपिक के लिहाज से प्रदर्शन में सही समय पर सुधार अहम : नवजोत कौर

बेंगलुरू।

भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड नवजोत कौर का मानना है कि अगले साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक के लिहाज से सही समय पर प्रदर्शन में सुधार आना काफी अहम है। भारतीय टीम के लिए 170 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली कौर ने कहा कि केवल खिलाड़ियों के ही पूरी तरह से फॉर्म में लौटना पर्याप्त नहीं होगा बल्कि टीम को भी अपने पूरे फॉर्म में लौटना होगा। कौर ने कहा, टीम दिन-प्रतिदिन सुधार कर रही है, जोकि हमारे लिए एक अच्छा संकेत है। हम धीरे-धीरे वापस अपने लय में लौट रहे हैं। हालांकि सही समय पर शीर्ष पर पहुंचना हमारे लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ओलंपिक में अपनी पूरी क्षमता से खेलने के लिए हमें सही समय पर पूरी तरह से फॉर्म हासिल करनी होगी। हम हॉकी इंडिया और साई के आभारी हैं, जिन्होंने हमारे लिए नेशनल कैम्प की व्यवस्था की ताकि टोक्यो में बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए हमें पर्याप्त समय मिल सके। अगले कुछ महीनों में अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों के बारे में पूछे जाने पर, कौर ने कहा कि वह भविष्य में टीम की जीत में बहुत बड़ा योगदान देना चाहती हैं और इसलिए अपने खेल के कुछ पहलुओं पर सुधार करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं भारतीय टीम के लिए बेहतर कर सकती हूं और इसलिए मैंने लॉकडाउन अवधि के दौरान अपने खेल के बहुत सारे फुटेज देखे। मैंने उन पहलुओं को समझ लिया है जिन पर मुझे काम करने की जरूरत है और मैं उस फॉर्म में पहुंचने के बाद उन पर काम करना शुरू कर दूंगी, जिस फॉर्म में मैं लॉकडाउन से पहले थी। मैं भविष्य में टीम की जीत में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं और उम्मीद है कि मैं टोक्यो ओलंपिक में ज्यादा बेहतर खिलाड़ी बन सकूंगी।

बीबीएल के 10वें सीजन में नहीं खेलेंगे डिविलियर्स

ब्रिस्बेन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज अब्राहम डिविलियर्स ने बिग बैश लीग (बीबीएल) के आगामी सीजन में ब्रिस्बेन हीट के लिए नहीं खेलने का फैसला किया है। डिविलियर्स ने अपने तीसरे बच्चे के जन्म के समय परिवार के साथ रहने के लिए लीग से नाम वापस लिया है। डिविलियर्स ने एक बयान में कहा, हमारे तीसरे बच्चे के आने की खबर से मैं खुश हैं। इसलिए हमारे बढ़ते परिवार, यात्रा से जुड़ी अनिश्चितता और कोविड-19 के हालातों को देखते हुए मैंने फैसला किया है कि मैं इस सीजन नहीं खेलूंगा। उन्होंने कहा, हीट के साथ मेरा पिछला सीजन शानदार था और मैं भविष्य में क्लब में लौटने को लेकर काफी उत्साहित हूं। पिछले सीजन टीम को वो परिणाम हासिल नहीं हुए, जिसकी हमें उम्मीद थी और मेरा मानना है कि कुछ काम अभी बाकी है। 36 वर्षीय डिविलियर्स पिछले साल ब्रिस्बेन हीट से जुड़े थे और उन्होंने 24.33 की औसत से 146 रन बनाए थे। इस बीच, ब्रिस्बेन हीट ने अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीब उर रहमान के साथ दोबारा करार किया है। हीट के लिए उनका यह तीसरा सीजन होगा। पिछले सीजन में उन्होंने तीन विकेट लिए थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिकी रेस्त्रां पर भड़कीं अनन्या बिड़ला, कहा-

'नस्लभेदी' ने मेरी फैमिली को बाहर फेंक दिया

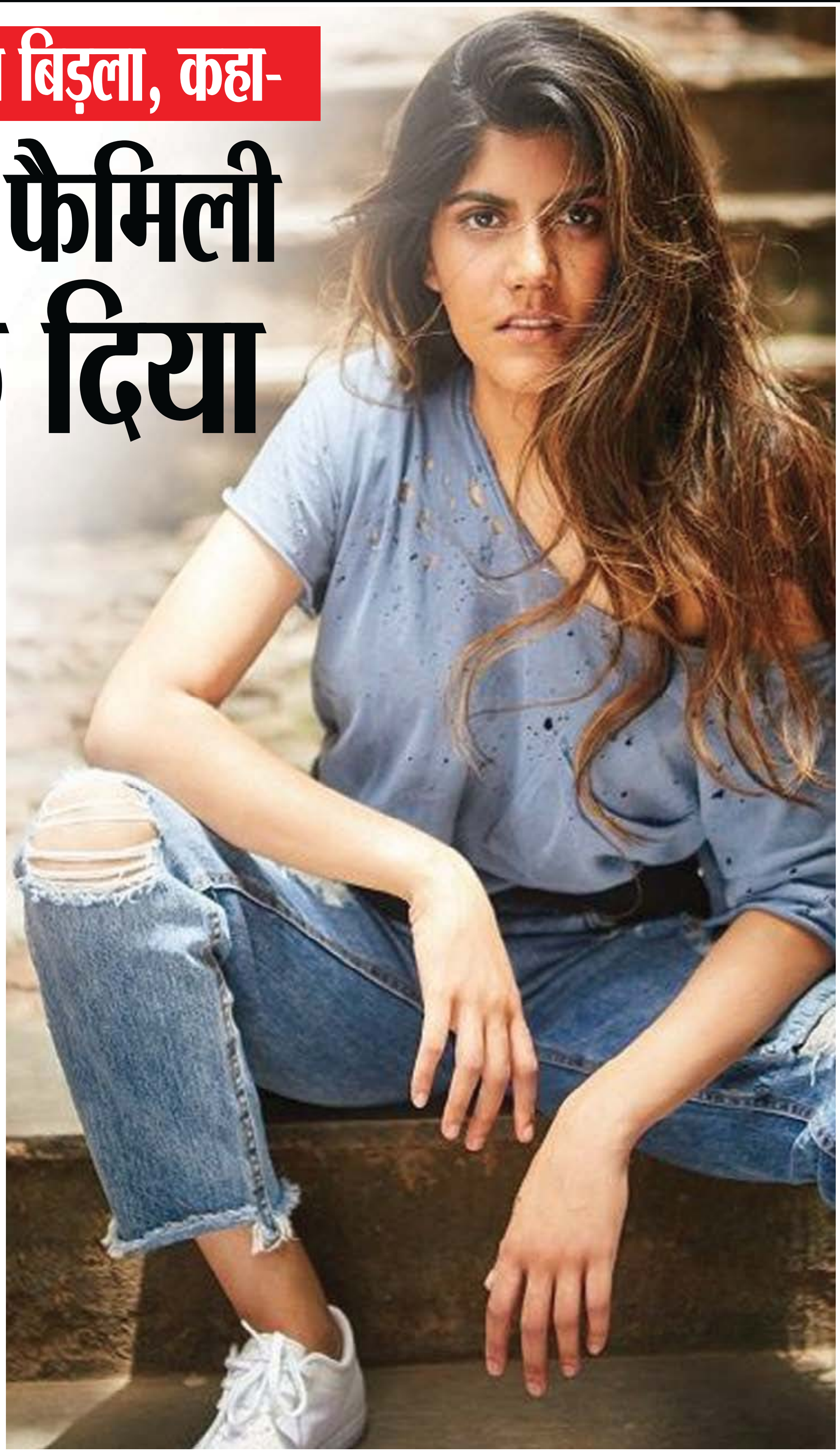

म्यूजिक संसेशन और युवा बिजनस वुमन अनन्या बिड़ला ने ट्विटर पर अपनी भड़ास निकाली है। आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला की बेटी अनन्या का गुस्सा एक अमेरिकी रेस्त्रां पर फूटा है। अनन्या से रेस्त्रां को 'नस्लभेदी' बताते हुए कहा कैलिफोर्निया के इस इटालियन-अमेरिकी रेस्त्रां ने उनके परिवार को और उन्हें रेस्त्रां से सिर्फ इसलिए बाहर फेंक दिया कि वो एशियन हैं।

रेस्त्रां के खिलाफ ट्विटर पर खोला मोर्चा

अनन्या ने ट्विटर पर अपनी बात रखते हुए कहा कि 'यह सही नहीं है।' अनन्या ने अपने ट्वीट में लिखा है, 'स्कोपा रेस्त्रां ने मेरे परिवार और मुझे सचमुच अपने परिसर से बाहर निकाल दिया। यह नस्लभेद और बहुत दुखद है। आपको यकीनन अपने ग्राहकों के साथ अच्छा व्यवहार करने की आवश्यकता है। यह बहुत ही नस्लभेदी है और यह ठीक नहीं है।'

3 घंटे इंतजार के बाद भी लौटाया

बता दें कि यह स्कोपा रेस्त्रां कैलिफोर्निया में है और शेफ एंटोनियो लोफासो का है। अनन्या ने एक के बाद एक ट्वीट में रेस्त्रां पर गंभीर आरोप लगाते हुए लिखा है, 'हमने आपके रेस्त्रां में खाने के लिए 3 घंटे इंतजार किया। शेफ एंटोनियो आपके वेटर जोशुआ सिल्वमैन ने मेरी मां के साथ बेहूदा बर्ताव किया, सीमावादी नस्लभेद। यह सही नहीं है।'

अनन्या की मां ने भी किया ट्वीट

अनन्या, कुमार मंगलम बिड़ला की बेटी हैं। उनकी मां नीरजा बिड़ला शिक्षाविद हैं और मेंटल हेल्थ ऐक्टिविस्ट हैं। अनन्या के बाद उनकी मां नीरजा बिड़ला ने भी बेटी के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए रेस्त्रां पर गुस्सा जाहिर किया। नीरजा ने अपने ट्वीट में लिखा, 'बहुत ही चौंकाने वाली बात... स्कोपा रेस्त्रां द्वारा बिल्कुल भद्दा व्यवहार। आपको अपने किसी भी ग्राहक के साथ इस तरह का व्यवहार करने का कोई अधिकार नहीं है।'

भाई आर्यमान बिड़ला ने कहा- अविश्वसनीय

नीरजा के साथ ही उनके बेटे आर्यमान बिड़ला ने भी ट्वीट करते हुए लिखा, 'मैंने इस तरह का कभी कुछ अनुभव नहीं किया है। असल दुनिया में नस्लभेद मौजूद है। अविश्वसनीय। स्कोपा रेस्त्रां।'

करणवीर बोहरा और रणविजय ने जताई हैरानी

अनन्या के ट्वीट पर करणवीर बोहरा और रणविजय सिंह जैसे सिलेब्रिटीज ने भी ट्वीट किया है। रणविजय लिखते हैं कि उन्हें यकीन नहीं हो रहा है, वहीं करणवीर ने लिखा है कि यह शर्मनाक हरकत।

ऐक्ट्रेस मंदिरा बेदी ने गोद ली 4 साल की बच्ची तारा, शेयर किया परिवार के साथ फोटो

एक्ट्रेस मंदिरा बेदी और उनके पति राज कौशल ने एक बच्ची को गोद लिया है और उसका नाम तारा बेदी कौशल रखा है। कपल ने इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पर शेयर की है। मंदिरा और राज ने बेटे वीर और उनकी बच्ची तारा के साथ एक पारिवारिक तस्वीर साझा की। अपने पोस्ट में मंदिरा ने अपनी बेटी तारा के लिए कुछ शब्द लिखे हैं।

उन्होंने लिखा- वह हमारे पास आई है। ऊपर से आशीर्वाद की तरह। हमारी छोटी लड़की, तारा। चार साल और थोड़ा, आँखों से जो सितारों की तरह चमकती हैं, 4 साल की बच्ची जिसकी आंखें तारों की तरह चमकती हैं, वीर ने अपनी बहन का खुली बाहों से प्यार के साथ स्वागत किया है।आभारी। तारा बेदी कौशल। 28 जुलाई 2020 को हमारे परिवार का एक हिस्सा बन गया।

मंदिरा के पति राज ने भी अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की और अपनी बेटी के बारे में बताया। उन्होंने लिखा दशहरे के इस उत्सव के अवसर पर हम आपको हमारे परिवार तारा बेदी कौशल के सबसे नए सदस्य से मिलवाना चाहते हैं। अंत में परिवार पूरा है।

इस अदाकारा ने महेश भट्ट पर लगाए संगीन आरोप, बताया बॉलीवुड का सबसे बड़ा डॉन

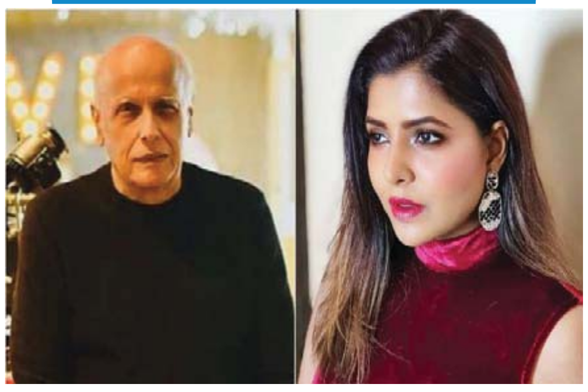

फिल्म निर्माता महेश भट्ट के वकील ने इंस्टाग्राम पर अभिनेता लुवीना लोध द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो पर प्रतिक्रिया दी है। वीडियो में लुवीना ने महेश पर उत्पीड़न और डराने-धमकाने का आरोप लगाया।

कौन है लवीना और उनका क्या है आरोप

लवीना ने खुद को महेश के भांजे सुमित सभरवाल की पत्नी के रूप में पेश करके वीडियो शुरू किया। लुवीना ने कहा कि सुमित विभिन्न अभिनेताओं को ड्रग्स और महिलाओं की आपूर्ति करता है और महेश भट्ट को इसके बारे में सब पता है। वह कहती है कि वह सुमित को तलाक देना चाहती है लेकिन भट्ट परिवार द्वारा उसे परेशान किया जा रहा है। महेश भट्ट इस उद्योग के सबसे बड़े डॉन हैं। वह इस प्रणाली का संचालन करने वाला व्यक्ति है।

महेश भट्ट के वकील ने किया आरोपो का खंडन

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, एक लवीना लोधी द्वारा जारी किए गए वीडियो के संदर्भ में महेश के वकील विश्वेश फिल्म्स ने सभी आरोपों का खंडन करते हुए एक बयान जारी किया था। उन्होंने कहा कि हम, हमारे क्लाइंट महेश भट्ट की ओर से, आरोपों का खंडन करते हैं। इस तरह के आरोप न केवल झूठे और अपमानजनक हैं बल्कि कानून में इसे गलत पाये जाने के बाद गंभीर परिणाम हैं। हमारे क्लाइंट महेश भट्ट की के अनुसार, कानूनी आधार पर इसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

एक्ट्रेस ने लगाएं गंभीर आरोप

अपने वीडियो में, लवीना ने महेश के बारे में कहा, 'यदि आप उसके नियमों से नहीं चलते हैं, तो वह आपके लिए जीवन मुश्किल बना देगा। महेश भट्ट ने कई लोगों को काम से निकालकर बहुत सारी ज़िंदिगी बर्बाद कर दी है। वह एक फोन कॉल करता है और लोग अपनी नौकरी खो देते हैं। जब से मैंने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है, वह मेरे घर में घुसने और मुझे इस घर से निकालने की कोशिश कर रहा है। कोई भी मेरी एनसी (गैर-संज्ञेय शिकायत) को फाइल नहीं करता है और यहां तक कि बड़ी कठिनाई के बाद भी मैं एनसी दर्ज करने का प्रबंधन करती हूं, कोई कार्रवाई नहीं की जाती है।

उन्होंने कहा कि वह अपने और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए वीडियो बना रही थी। उन्होंने कहा, 'अगर मेरे साथ या मेरे परिवार के साथ कल कुछ होता है, तो इसके लिए जिम्मेदार महेश भट्ट, मुकेश भट्ट, सुमित सबरवाल, साहिल सहगल और कुमकुम सहगल होंगे।'

मिर्जापुर 2 को लेकर हो रही श्वेता त्रिपाठी की तारीफ, हॉलिवुड फिल्म 'किल बिल' की उमा थुरमन से हुई तुलना

जब से मिर्जापुर 2 का ट्रेलर और रिलीज डेट रिलीज हुई थी तब से फैंस अपराध पर आधारिद इस दमदार बेव सीरीज का इंजतार कर रहे थे। मिर्जापुर को निर्धारित डेट से एक दिन पहले ही रिलीज कर दिया गया था क्योकि सीरीज के लीक होने की खबरे आ रही थी। पिछले सीजन की तरह इस बार भी मिर्जापुर का दूसरा सीजन भी कमाल का है। इस बार श्वेता त्रिपाठी शर्मा का लीड रोल है। चारों तरफ उनके काम की तारीफ हो रही है।

श्वेता त्रिपाठी शर्मा के इस चित्र को देखकर हमे हॉलीवुड की आइकोनिक फिल्म किल बिल से उमा थुरमन की याद दिलाता है। अगर कोई फिल्म महिला सशक्तिकरण का प्रतीक बनती है, तो वह है उमा थरमन स्टारर किल बिल। 2003 क्वेंटिन टारनटिनो क्लासिक ने बदला लेने वाले फिल्मो की शैली में एक अमर दर्जा हासिल किया है।

इस प्रकार, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि बदला लेने वाली गाथा की शूटिंग के दौरान, श्वेता त्रिपाठी शर्मा ने मिर्जापुर के दूसरे सीज़न में अपने चरित्र गोलू के लिए अपने भीतर की उमा थुरमन उपयोग किया। अपनी बहन स्वीटी और बबलू (श्रिया पिलगाँवकर और विक्रांत मैसी द्वारा निभाई गई) की मौत का बदला लेने के लिए तैयार, गोलू ने अपने भीतर से घातक और एक अनदेखी खोज की है। खून में डूबी हुई, लड़की बदला लेने के लिए मिर्ज़ापुर के गिरोह के सरगनाओं के साथ युद्ध के लिए तैयार है।

श्वेता कहती हैं कि गोलू का क्रोध उसके लिए सबसे मुश्किल हिस्सा था। 卐कई सिनेमाई संदर्भ हैं। किल बिल निश्चित रूप से सूची में सबसे ऊपर है। यह समझना महत्वपूर्ण था कि गोलू उस तरह की महिला है जो इस बार मुख्य भूमिका में है। वोह इस बार उस पर अत्याचार हो नहीं सेह सकती। गोलू की उत्तरजीविता ऊर्जा वह थी जिसे मैंने अपने हिस्से के लिए एक्टिवेट कर दिया था। बेकाबू गुस्से के साथ गोलू में एक फौलादी संकल्प है। मेरे लिए दूसरा सीजन ऐसा अनोखा अनुभव था। कभी भी मैं इस तरह से रोले की कल्पना नहीं कर सकती थी। मैं उम्मीद करती हु की मैंने अपने प्रशंसकों को पहले की तरह आश्चर्यचकित किया हो।

ऋषि कपूर, इरफान खान और सुशांत सिंह राजपूत को श्रद्धांजलि देने के लिए उनकी फिल्मों की स्पेशल स्क्रीनिंग

हिंदी फिल्म उद्योग इस वर्ष कुछ गहरे व्यक्तिगत नुकसान के साथ गुज़र कर चुका है। इरफान खान, ऋषि कपूर और फिर सुशांत सिंह राजपूत की दुखद यकायक मृत्यु के साथ, इन्दुस्ट्री में एक खालीपन सा महसूस हो रहा है। इस प्रकार, उनकी को याद करने के लिए इस वर्ष के पहले भारतीय फिल्म फेस्टिवल - इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ़ मेलबोर्न में उनकी विरासत को याद करना महत्वपूर्ण था। IFFM के श्रद्धांजलि सेक्शन के एक भाग के रूप में, फेस्टिवल में इरफान खान की सॉन्ग ऑफ़ स्कॉर्पियन, ऋषि कपूर की 102 नॉट आउट और सुशांत सिंह राजपूत की केदारनाथ की स्क्रीनिंग होगी।

मीतू भौमिक लांगे ने एक बयान में कहा, 'कलाकार अपनी विरासत के माध्यम से जीते हैं। ये कुछ बेहतरीन पुरुष थे, जिन्होंने कुछ अविश्वसनीय फिल्में कीं, जो सभी के साथ हमेशा रहेगी। यह हमारे लिए इस अवसर पर उनको याद करना महत्वपूर्ण था। हमने कुछ बेहतरीन फिल्मों हमारे दर्शक के लिए चुना है जो हमे उनकी जीवन की झलकियों में उनके साथ अपने जीवन को जीने एक और मौका मिलेगा। फिल्म उद्योग के लिए उनका नुकसान की भरपाई होना मुश्किल है लेकिन उनकी फिल्मों का जादू इसके बाद की पीढ़ियों का मनोरंजन करता रहेगा।' यह कहाँ जा सकता है कि ऋषि कपूर की 102 नॉट आउट (जिसमें अमिताभ बच्चन भी हैं) और राजपूत की केदारनाथ (जो सारा अली खान की पहली फिल्म थी और दुनिया भर में व्यावसायिक सफलता पायी थी) यह पहली बार है जब भारतीय ऑडियंस को विश्व स्तर पे इर्फ़ीन खान की फिल्म सॉन्ग ऑफ स्कॉर्पियन देखने को मिलेगी।

बिग बॉस 14: घर में हुई कविता कौशिक की एंट्री, धाकड़ अंदाल में लगाई सबकी क्लास

बिग बॉस 14 के घर के पहले दिन से ही काफी ड्रामा चल रहा है। इस बार ज्यादातर कंटेस्टेंट बात-बात पर रो कर या इमोशन होकर अपनी बात जाहिर कर रहे हैं। अभी तक घर के अंदर ऐसी कोई भी पर्सनेलिटी नहीं आयी थी जो अपनी बात कड़े शब्दों में कह सके। वीकेंड के वार पर घर के अंदर कविता कौशिक की एंट्री हुई है। सीनियर्स के बाद सूना पड़ चुका बिग बॉस के 14 के घर में जैसे ही कविता कौशिक ने एंट्री ली एक नया सा जोश आ गया।

घर के अंदर आने के बाद कविता कौशिक ने कैप्टनशीप जीती और घर की नयी कैप्टन बन गयी। आने वाले एपिसोड ने कविता का धाकड़ अंदाज देखने को मिलने वाला है। कलर्स की तरफ से जारी किए गये नये प्रोमों में आप देख सकते हैं कि कविता कौशिक कहती है कि घर के अंदर वह बिग बॉस के नियमों को किसी को तोड़ने नहीं देंगी। ऐसे में घर के अंदर वह रूल तोड़ने वाले अन्य सदस्यों पर काफी गुस्सा होती नजर आयी हैं।

प्रोमो में दिखाया गया है कि कविता कौशिक घर के सदस्यों के साथ गार्डन एरिया में बैठी रहती है जिसके बाद बिग बॉस कहते है कि घर के सदस्य नियमों का उल्लंघन न करें। जिसके बाद कविता कौशिक की शार्दुल पंडित और पवित्रा पुनिया को काफी ज्यादा फटकार लगाती है।

तीनों में काफी बहस होती हैं। पवित्रा कविता से कहती है कि वह इस तरह से उनसे बात न करें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तुर्की की धमकी के बावजूद फ्रांस ने कट्टरपंथी मुस्लिमों की मस्जिद पर लिया एक्शन

इंटरनेशनल डेस्कः

फ्रांस में टीचर सैमुअल पैटी की गला काटकर हत्या किए जाने के बाद राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने देश में इस्लामिक कट्टरपंथियों के खिलाफ जोरदार अभियान चला रखा है। इसी कड़ी में फ्रांस ने तुर्की के बॉयकॉट के आह्वान के बाद भी राजधानी पेरिस के उत्तर-पूर्वी इलाके में स्थित कट्टरपंथियों को निशाना बनाया । फ्रांसीसी अधिकारियों ने इस्लामिक आंदोलन में शामिल होने के आरोप में यहां एक मस्जिद को बंद कर दिया है। अधिकारियों ने मस्जिद से जुड़े लोगों पर टीचर सैमुअल पैटी को निशाना बनाकर वीडियो सोशल मीडिया में शेयर करने का भी आरोप लगाया है। फ्रांसीसी अधिकारियों ने सैमुअल की हत्या के बाद बड़ी संखे में लोगों से पूछताछ की जा रही है और भविष्‍ य की कार्रवाई के लिए प्लान बनाया जा रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने कहा कि दोषियों के खिलाफ सखेत ऐक्शन लिया जाएगा।फ्रांसीसी सरकार ने ऐलान किया है कि अब तक 120 स्थानों और संगठनों की तलाशी ली गई है जिन पर कट्टरपंथी विचारधारा को फैलाने का आरोप है। इसके अलावा आतंकवादियों को मिलने वाले पैसे पर रोक के लिए व्यापक योजना बनाई गई है। साथ शिक्षकों को सहायता दी जाएगी और सोशल मीडिया कंपनियों पर दबाव डाला जाएगा ताकि वे भड़काऊ सामग्री पर रोक लगाएं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फ्रांस में अब तक इस तरह की कठोर कार्रवाई मैक्रों के कार्यकाल के दौरान हुए किसी भी आतंकी हमले के बाद नहीं हुई थी। राजनीतिक विश्लेषक जेरोम का कहना है कि टीचर पर हमला अपनी आप में अलग था। इसमें एक शिक्षक को निशाना बनाया गया और वह भी बहुत ही क्रूर तरीके से। इसके बाद सरकार के रवैये में यह बदलाव आया है। जेरोम ने कहा कि हम संगठित जेहादी नेटवर्क का सामना नहीं कर रहे हैं, बल्कि

एक आतंकवादी का सामना कर रहे हैं जो हमारे देश में आया है और अलग थलग रहते हैं लेकिन कट्टरपंथी विचारधारा में रच बस गए हैं। इस बीच एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि फ्रांस के एक तिहाई शिक्षकों ने खुद को सेंसर कर लिया है ताकि धर्मनिरपेक्षता पर विवाद से बचा जा सके।

क्या है मामला ?

दरअसल, 16 अक्टूबर को पेरिस के उपनगरीय इलाके में एक शिक्षक की मोहम्मद साहब का कार्टून दिखाने के कारण गला काटकर हत्या कर दी गई थी। जिसके बाद फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने इसे इस्लामिक आतंकवाद करार दिया था। उन्होंने कहा था कि इस्लाम एक ऐसा धर्म है जिससे आज पूरी दुनिया में संकट में है।

उन्होंने यह भी कहा था कि उन्हें डर है कि फ्रांस की करीब 60 लाख मुसलमानों की आबादी समाज की मुख्यधारा से अलग-थलग पड़ सकती है। इसी के बाद से फ्रांसीसी राष्ट्रपति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं।

चीन के खिलाफ एक्शन में अमेरिका-जापान, शुरू किया बड़ा युद्धाभ्यास

इंटरनेशनल डैस्कः

चीन की पूर्वी चीन सागर में बढ़ती आक्रमकता का अमेरिका और जापान ने कड़ा नोटिस लिया है। पूर्वी चीन सागर में चीन की सैन्य गतिविधियों को देखकर अमेरिका -जापान भी एक्शन में आ गए हैं और दोनों देशों की सेनाओं ने जल-थल और नभ में एक साथ युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। इस युद्धाभ्यास को कीन स्वार्ड **(Keen Sword)** नाम दिया गया है। इसमें अमेरिका के एयरक्राफ्ट कैरियर **USS** रोनाल्ड रीगन और जापान का हेलिकॉप्टर कैरियर के अलावा दर्जनों युद्धपोत हिस्सा ले रहे हैं। कीन स्वॉर्ड युद्धाभ्यास अमेरिकी और जापानी सेना के बीच हर दो साल में एक बार आयोजित होता है। इसमें अमेरिका और जापान के दर्जनों युद्धपोत, सैकड़ों विमान और 46,000 सैनिक, नाविक और मरीन कमांडो शामिल होते हैं। 5 नवंबर तक चलने वाले इस युद्धाभ्यास में पहली बार साइबर और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर की ट्रेनिंग भी दी जाएगी। जापान के शीर्ष सैन्य कमांडर जनरल कोजी यामाजाकी ने कहा कि जापान के चारों ओर सुरक्षा स्थिति तेजी से गंभीर हो गई है। यह हमें जापान-यूएस गठबंधन की ताकत का प्रदर्शन करने का अवसर देता है। वे खुद जापान के कागा हेलिकॉप्टर कैरियर पर मौजूद होकर युद्धाभ्यास की निगरानी कर रहे हैं। कागा हेलिकॉप्टर कैरियर हाल में ही हिंद महासागर में भारत के साथ युद्धाभ्यास कर वापस पूर्वी चीन सागर लौटा है। 248 मीटर लंबा कागा हेलिकॉप्टर कैरियर जापान का सबसे बड़ा नौसैनिक जहाज है। इस हेलिकॉप्टर कैरियर पर ही अमेरिका से खरीदे जा रहे एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान की तैनाती की जाएगी। इसके लिए अगले साल से इस हेलिकॉप्टर कैरियर को अपग्रेड करने का काम भी शुरू किया जाएगा। अमेरिका का एफ-35 विमान वर्टिकल लैंडिंग की क्षमता रखता है। इसलिए, इस हेलिकॉप्टर कैरियर की डेक से भी एफ-35 को आसानी से ऑपरेट किया जा सकता है।

पोम्पियो की भारत यात्रा से चिढ़ा चीन, बोला- 'एशिया में कलह के बीज बोना बंद करो'

बीजिंग।

चीन ने मंगलवार को अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो से कहा कि वह बीजिंग एवं क्षेत्र के देशों के बीच कलह का बीज बोना बंद करें जिससे क्षेत्र की शांति और स्थिरता प्रभावित होती है। पोम्पियो उच्च स्तरीय वार्ता के लिए फिलहाल भारत की यात्रा पर हैं ताकि संपूर्ण सुरक्षा संबंधों और हिंद प्रशांत क्षेत्र में सामरिक सहयोग को मजबूत किया जा सके। पोम्पियो अमेरिका-भारत 'टू प्लस टू' वार्ता के लिए रक्षा मंत्री मार्क टी. एस्पर के साथ सोमवार को भारत पहुंचे। भारत दौरे के बाद पोम्पियो श्रीलंका और मालदीव के दौरे पर भी जाने वाले हैं। पोम्पियो की भारत एवं दक्षिण एशियाई देशों के दौरे के बारे में पूछे जाने पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ''चीन के खिलाफ पोम्पियो के हमले एवं आरोप नए नहीं हैं।'' वांग ने कहा, ''ये निराधार आरोप हैं जो दर्शाते हैं कि वह मानसिक रूप से शीत युद्ध और वैचारिक पक्षपात कर रहे हैं। हम उनसे आग्रह करते हैं कि शीत युद्ध छोड़ दें और चीन तथा क्षेत्रीय देशों के बीच कलह का बीज बोना बंद करें जिससे क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता प्रभावित होती है।'' भारत और अमेरिका के बीच ऐतिहासिक बेसिक एक्सचेंज एंड को-ऑपरेशन एग्रीमेंट (बेका) संधि पर हस्ताक्षर हुए जिससे दोनों देशों के बीच अत्याधुनिक सैन्य प्रौद्योगिकी, गोपनीय उपग्रह आंकड़े और महत्वपूर्ण सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सकेगा।

पोम्पियो ने अगस्त में कहा था कि चीन पश्चिमी देशों के लिए खतरा है और कुछ मायने में शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ की तरफ से उत्पन्न खतरे से भी ''खतरनाक'' है।

इमरान खान ने कहा-अफगानिस्तान के साथ संबंध मजबूत करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद.

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि उनकी सरकार ने अफगानिस्तान के साथ संबंधों को मजबूत करने का फैसला किया है, चाहे काबुल में सत्ता में कोई भी हो। खान ने सोमवार को यहां 'पाकिस्तान-अफगानिस्तान कारोबार एवं निवेश फोरम' विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी को आरंभ करते हुए यह बात कही। उन्होंने अफगानिस्तान में शांति एवं स्थिरता की खातिर भूमिका निभाते रहने का पाकिस्तान का मजबूत दृढ़ संकल्प भी दोहराया। खान ने कहा कि उनकी सरकार अफगानिस्तान के कारोबारी समुदाय के साथ संबंधों को और विकसित करने के प्रयास कर रही है ताकि दोनों को एक-दूसरे के अनुभवों का लाभ मिल सके और व्यावसायिक एवं आर्थिक संबंधों को गति मिल सके। खान ने कहा कि उनकी सरकार ने फैसला किया है कि अफगानिस्तान के साथ संबंध मजबूत किए जाएंगे चाहे पड़ोसी देश में सत्ता में कोई भी हो। उन्होंने अफगानिस्तान के कारोबारियों और निवेशकों को समर्थन देने की जरूरत को रेखांकित करते हुए कहा, ''दोनों देशों के भविष्य उनकी एकता, साझा कारोबार और विकसित होते परस्पर आर्थिक संपर्कों पर निर्भर करते हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों ही मुस्लिम देशों में निवेश एवं आर्थिक गतिविधियों के लिए अच्छी संभावनाएं हैं जिससे क्षेत्र में समृद्धि आएगी और विकास को बढ़ावा मिलेगा। खान ने कहा कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान दोनों ही को चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे **(CPEC)** का लाभ मिल सकता है और वे कारोबार तथा व्यवसाय के केंद्र बन सकते हैं।खान ने यह साफ किया कि अफगानों द्वारा तथा अफगानों के नेतृत्व वाली शांति प्रक्रिया उनकी सरकार के लिए चिंता का मुख्य विषय है और अफगानिस्तान में शांति कामय रखने के प्रयासों के लिए पाकिस्तान के बराबर श्रेय कोई और देश नहीं ले सकता है। अफगान वोलेसी जिरगा के अध्यक्ष मीर रहमान रहमानी ने कहा कि अफगानिस्तान अफगान शांति प्रक्रिया में पाकिस्तान के योगदान के महत्व को समझता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के संबंधों की जड़ें साझा संस्कृति, आस्था और मूल्यों में हैं।

सीरिया में अमेरिकी हवाई हमले में मारे गएअलवायदा के 7 वरिष्ठ नेता

इंटरनेशनल डेस्कः अमेरिका का मानना है कि पिछले हफ्ते सीरिया में उसके द्वारा किए गए हवाई हमले में अलकायदा के सात वरिष्ठ नेता मारे गए। हमले के वक्त संगठन के नेता इदलिब के निकट बैठक कर रहे थे। अमेरिकी सेंट्रल कमान ने सोमवार को यह जानकारी दी। सेंट्रल कमान की प्रवक्ता मेजर बेथ रिऑर्डन ने बताया कि हवाई हमला 22 अक्टूबर को किया गया। हालांकि उन्होंने मारे गए अलकायदा नेताओं के नाम नहीं बताए हैं। रिऑर्डन ने कहा, ''अलकायदा के उन नेताओं के मारे जाने से आतंकवादी संगठन की साजिश रचने की और दुनियाभर में हमले करने की क्षमता प्रभावित होगी।'' उन्होंने कहा, ''अलकायदा उत्तरपश्चिमी सीरिया में अस्थिरता का फायदा उठाता है और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए इसका सुरक्षित पनाहगाह के रूप में इस्तेमाल करता है।'' रिऑर्डन ने कहा, ''हमारे सहयोगियों और साझेदारों के साथ हम अलकायदा और अन्य आतंकवादी संगठनों को निशाना बनाना जारी रखेंगे।'' अमेरिका ने इदलिब के निकट 15 अक्टूबर को भी अलकायदा के खिलाफ हवाई हमला किया था।

इंसान को मारकर उनके मांस से अचार बनाकर खाता था ये कपल, एक सेल्फी ने खोला राज

इंटरनेशनल डेस्क। कोरोना वायरस को लेकर जहां एक तरफ सारी दुनिया में डर का माहौल है तो वहीं रूस में पुलिस ने एक ऐसे कपल को गिरफ्तार किया है जोकि पिछले 30 साल से इंसानों को मौत के घाट उतार कर उनका अचार बनाकर खाते थे। गिरफ्तारी के बाद जब इस कपल दिमित्री बाकेशेव और उसकी पत्नी नतालिया ने अपने राज खोले, तो उसे सुनकर पुलिस के पैरों तले जमीन निकल गई।

मोबाइल फोन से खुला राज

दरअसल, रूस के क्रासनोदर शहर में पुलिस को गश्त के दौरान एक मोबाइल फोन मिला जिसमें उन्हें एक ऐसी फोटो दिखाई दी जिसमें एक आदमी मानव शरीर के साथ सेल्फी ले रहा था। इस तस्वीर को देखने के बाद पुलिस ने शक के आधार पर सेल्फी लेने वाले शख्स की तलाश शुरू की। छानबीन के दौरान पुलिस दिमित्री बाकेशेव और उसकी पत्नी नतालिया को क्रासनोदर शहर से गिरफ्तार किया। पुलिस से पुछताछ के दौरान इस कपल ने स्वीकार किया कि उन्होंने 30 से अधिक लोगों को मारकर और उनके मांस से अचार बनाकर उसे लोकल रेस्टोरेंट में बेचा था।

फ्रीजर से मिला इंसान का कटा हुआ सिर और संतरे

रिपोर्ट के मुताबिक क्रासनोदर सिटी में रहने वाले 35 साल के दिमित्री बाकेशेव ने स्वीकार किया है कि वो अब तक 30 से भी ज्‍यादा लोगों को मारकर खा चुके है। यह काम उन्होंने अपनी पत्नी नतालिया बाकेशेव के साथ मिलकर किया। नतालिया पेशे से नर्स है। तालिया इंसान के मीट के बिस्कुट बनाकर लोकल रेस्टोरेंट में उनकी सप्लाई करती थी। खबरों में कहा जा रहा है कि मनोवैज्ञानिक ने नतालिया की जांच भी की और मानसिक रूप से स्वस्थ बताया है। जब पुलिस ने कपल के घर की तलाशी ली तो उनके फ्रीजर से इंसान का कटा हुआ सिर और संतरे रखे मिले। इसके साथ ही इंसानी मीट के चार का एक जार और 19 खालें भी मिली है। इस मामले के बाद रूस के कई शहरों में सनसनी फैल गई थी। पुलिस अब यह पता लगाने में लगी हुई है कि अब तक यह कपल कितने लोगों को मार चुके हैं।

कमला हैरिस बहुत अनुभवी एवं बुद्धिमान हैंः बाइडेन

वाशिंगटन अमेरिका में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन ने उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के लिए भारतीय-अमेरिकी कमला हैरिस के चयन को सही ठहराते हुए कहा है कि सीनेटर हैरिस अत्यंत बुद्धिमान एवं बेहद अनुभवी नेता हैं। बाइडेन ने हैरिस को उम्मीदवार बनाने की घोषणा अगस्त में की थी। वह किसी प्रमुख राजनीतिक दल की ओर से उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनने वाली पहली अश्वेत महिला हैं। बाइडेन ने 'सीबीएस न्यूज' को सोमवार के साथ एक साक्षात्कार में कहा, ''पहली बात है- उनके मूल्य। दूसरी बात है- वह किसी शैतान की तरह चतुर हैं। तीसरी बात है- उनकी रीढ़ ही हड्डी सरिया जितनी मजबूत है। चौथी बात है- वह बहुत सिद्धांतवादी हैं। पांचवीं बात है- उनके पास देश के सबसे बड़े राज्य के प्रशासन का अनुभव है।'' बाइडेन से पूछा गया था, ''आपकी आयु उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए आपके चयन को और भी महत्वपूर्ण बनाती है।

इमरान ने फेसबुक को लिखे पत्र में भारत पर साधा निशाना, इस्लामोफोबिक सामग्री बैन करने की मांग की

इस्लामाबादः

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने फेसबुक को पत्र लिखकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस्लामोफोबिक सामग्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। फएसबुक के के **CEO** मार्क जुकरबर्ग को लिखे पत्र में इमरान ने भारत के नागरिकता संशोधन अधिनियम **(CAA)** और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर **(NRC)** का उल्लेख करते हुए कहा कि मुसलमानों को उनके नागरिक अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। जुकरबर्ग को लिखे अपने पत्र में इमरान ने कहा कि बढ़ता इस्लामोफोबिया दुनियाभर में चरमपंथ और हिंसा को प्रोत्साहित कर रहा है, खासकर फेसबुक जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से। इस्लामोफोबिया की होलोकॉस्ट के साथ तुलना करते हुए इमरान ने फेसबुक से इस्लामो फोबिया और इस्लाम के खिलाफ नफरत पर प्रतिबंध लगाने को कहा। बता दें कि फेसबुक ने 12 अक्तूबर को एक बयान जारी कर कहा था कि कंपनी होलोकॉस्ट से इनकार या विकृत करने वाली किसी भी सामग्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए अपनी हेट स्पीच नीति को अपडेट कर रही है। अपने पत्र में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने कहा, मैं होलोकॉस्ट की आलोचना या उसपर सवाल करने वाली किसी भी पोस्ट को प्रतिबंधित करने के लिए आपके कदम की सराहना करता हूं। हालांकि, आज हम दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मुसलमानों के खिलाफ समान चीजें होते हुए देख रहे हैं। इमरान ने **CAA** और **NRC** को मुस्लिम विरोधी कानून करार देते हुए फेसबुक को लिखा इस तरह के उपाय, साथ ही मुसलमानों की हत्या और कोरोना वायरस के लिए मुसलमानों को दोषी ठहराना इस्लामोफोबिया की घिनौनी घटना का सबूत है। इससे पहले, इमरान ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर इस्लाम के खिलाफ खड़े होने और इस्लाम पर हमला करने का आरोप लगाया था। इमरान ने ट्वीट करते हुए कहा था कि यह बेहद ही दुखद है कि मैक्रों ने इस्लाम के खिलाफ या इस्लामोफोबिया को बढ़ावा दिया।

नासा ने चंद्रमा की सतह पर खोज लिया पानी, इंसानी बस्तियां बसाने में मिलेगी मदद

वाशिंगटन। वैज्ञानिकों ने पहली बार सूर्य से प्रकाशित चंद्रमा की सतह पर पानी की मौजूदगी की पुष्टि की है जिससे अब चांद पर इंसानी बस्तियां बसाने में मदद मिलेगी । यह खोज इस ओर इशारा करती है कि चंद्रमा की सतह पर हर जगह पानी के अणु हो सकते हैं और ये केवल ठंडी तथा छायादार जगहों पर ही नहीं होते जैसा कि पहले समझा जाता था। अमेरिका के हवाई विश्वविद्यालय समेत अन्य संस्थानों के अनुसंधानकर्ताओं ने नासा की स्ट्रेटोस्फीयरिक ऑब्जर्वेटरी फॉर इन्फ्रारेड एस्ट्रोनोमी (सोफिया) के डेटा का इस्तेमाल करते हुए क्लेवियस क्रेटर में पानी के अणुओं (एच2ओ) का पता लगाया है। यह क्रेटर चंद्रमा पर स्थित सबसे बड़े गड्ढों में से एक है और उसके दक्षिणी गोलार्द्ध पर स्थित है। इसे पृथ्वी से देखा जा सकता है। इससे पहले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चंद्रयान-1 मिशन के दौरान चंद्रमा की सतह पर किए गए अध्ययन समेत अन्य अध्ययनों में हाइड्रोजन के एक प्रकार का पता लगाया गया था, वहीं नासा के वैज्ञानिकों का कहना था कि पानी और उसके करीबी रासायनिक संबंधी हाइड्रॉक्सिल (ओएच) के बीच फर्क स्पष्ट नहीं हो पाया है। पत्रिका 'नेचर एस्ट्रोनॉमी' में प्रकाशित वर्तमान अध्ययन का ब्योरा से पता चलता है कि क्लेवियस क्रेटर क्षेत्र में 100 से 412 भाग प्रति दस लाख की सांद्रता वाला पानी है जो चंद्रमा की सतह पर फैली धूल के एक घन मीटर आयतन वाले क्षेत्र में है और करीब-करीब 12 औंस की पानी की एक बोतल के बराबर है। अनुसंधानकर्ताओं ने तुलना के तौर पर कहा है कि सोफिया ने चंद्रमा की सतह पर पानी की जितनी मात्रा का पता लगाया है, सहारा रेगिस्तान में उससे सौ गुना ज्यादा पानी है। हवाई यूनिवर्सिटी की प्रमुख अध्ययनकर्ता केसी होनीबॉल ने कहा, ''सोफिया के अध्ययन से पहले हम जातने थे कि एक प्रकार का हाइड्रेशन (जलयोजन) होता है। लेकिन हम यह नहीं जानते थे कि कितना होता है और उसमें उस पानी के कितने अणु हैं जो हम रोजाना पीते हैं। या फिर साफ-सफाई में इस्तेमाल होने जैसा पानी ज्यादा है।'' उन्होंने कहा कि पानी की बहुत कम मात्रा का पता चला है लेकिन यह खोज नये प्रश्न उत्पन्न करती है कि पानी का सृजन कैसे हुआ और यह बिना हवा वाली चंद्रमा की सतह पर कैसे रहता है।

एमी कॉनी बैरट ने उच्चतम न्यायालय में न्यायमूर्ति पद की शपथ ली

वाशिंगटन, एमी कॉनी बैरट ने सोमवार रात उच्चतम न्यायालय के 115वें न्यायमूर्ति के तौर पर शपथ ली।

इससे पहले सीनेट ने उनकी उच्चतम न्यायालय में न्यायमूर्ति पद पर नियुक्ति की पुष्टि की थी। राष्ट्रपति चुनाव से पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए इसे एक बड़ी जीत माना जा रहा है। रिपब्लिकन बहुमत वाले सीनेट ने बंटी हुई राय में 48 के मुकाबले 52 वोट देकर बैरट के नाम की पुष्टि की । न्यायमूर्ति क्लैरेंस थॉमस ने व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में एक समारोह में धार्मिक रुढ़िवादी बैरट (48) को संवैधानिक शपथ दिलाई। ट्रंप भी इस दौरान वहां मौजूद थे। शपथ लेने के बाद बैरट ने कहा, '' मुझे आज यहां खड़े होकर बेहद सम्मानित महसूस हो रहा है।'' वहीं ट्रंप ने कहा, '' अमेरिका, अमेरिका के संविधान और निष्पक्ष एवं तटस्थ कानून के लिए यह एक महत्वपूर्ण दिन है।'' उन्हें नामित किये जाने के बारे में ट्रंप ने कहा, ÷वह हमारे देश के सबसे शानदार विधि विशेषज्ञों में से एक हैं और वह देश की सर्वोच्च अदालत के लिये उत्कृष्ट न्यायाधीश होंगी।÷सुप्रीम कोर्ट के नौ न्यायाधीशों में से ट्रंप अब तक तीन को नामित कर चुके हैं। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश की नियुक्ति आजीवन के लिये होती है और उनकी सेवानिवृत्ति की कोई उम्र नहीं होती। बैरट के दशकों तक अदालत में सेवारत रहने की उम्मीद है और वह सुप्रीम कोर्ट में कंजरवेटिव को 6-3 का बहुमत देंगी जो उसके पहले के स्वरूप से अलग है और इसके अदालत के सामने आने वाले कई मुद्दों पर नाटकीय निहितार्थ हो सकते हैं, जिनमें अफोर्डेबल केयर एक्ट और 2020 के चुनावों के संदर्भ में कोई संभावित विवाद भी शामिल होगा।

अमेरिका को युद्ध के लिए उकसा रहा चीन ! कोरियाई युद्ध की बरसी पर शी के बयान से टेंशन में विश्लेषक

बीजिंगः

19 अक्टूबर को कोरियाई युद्ध की 70वीं बरसी पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ऐसा भाषण दिया जिसे लेकर विश्लेषक चिंता में हैं। चीनी राष्ट्रपति ने भाषण के दौरान अमेरिका को खुली चुनौती दी। इशारों-इशारों में जिनपिंग ने कहा कि जब चीन के हालात बहुत अधिक खराब थे उस समय भी वो अमेरिका से नहीं डरता था तो फिर अब वो हर मायने में मजबूत स्थिति में है । ऐसे में अमेरिका से डर का कोई मतलब नहीं बनता है। इसे अपरोक्ष रूप से चीन का अमेरिका को युद्ध के लिए उकसाने वाला बयान माना जा रहा है । दरअसल चीन युद्ध की बरसियों का इस्तेमाल नए चीन की सैन्य ताकत से अमेरिका को परोक्ष रूप से धमकाने के लिए करता रहा है। अमेरिका ने जब से ताइवान को एक अरब डॉलर से ज्यादा कीमत का हथियार बेचने की मंजूरी दी है उसके बाद से चीन और अमेरिका के बीच विवाद बढ़ गया है। अमेरिका की इस घोषणा के बाद तनाव में बढ़ावा हो गया है। इस युद्ध की 70वीं बरसी ऐसे दौर में मनाई जा रही है जब अमेरिका के साथ कारोबारी और तकनीक के लिए मुकाबलेबाजी, मानवाधिकार और ताइवान को लेकर पार्टी पर दबाव है।

चीन ताइवान को अपना अभिन्न अंग मानता है। बरसी के मौके पर शी जिनपिंग ने चीनी सेना की वीरगाथाओं का जिक्र करते हुए उनमें देशभक्ति का भाव मजबूत करने की कोशिश की। 1950-53 के बीच चले युद्ध को उन्होंने इस बात की निशानी कहा कि यह देश उस ताकत से लड़ने के लिए तैयार है जो चीन के दरवाजे पर मुश्किल पैदा करेगा। चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी के लिए कोरियाई युद्ध वो कहानी है जिसने उसे अपनी जड़ें जमाने में मदद दी। रैली में अमेरिका पर निशाना साधते हुए, 'एकपक्षवाद, संरक्षणवाद और अतिवादी अहंभाव' की निंदा की। अमेरिका के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र गठबंधन बलों के खिलाफ उत्तर कोरिया को मदद देने के लिए चीन ने इस युद्ध में अपनी सेना भेजी थी, जिसे चीन 'अमेरिकी आक्रमकता के खिलाफ युद्ध और कोरिया की मदद' का नाम देता है। यह युद्ध भले ही गतिरोध के बीच समाप्त हुआ लेकिन इसने विश्व मंच पर चीन को बड़े खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर दिया। 19 अक्टूबर 1950 को कोरियाई युद्ध में चीन के प्रवेश की 70 वीं वर्षगांठ के दौरान, चीन के सर्वोच्च सुप्रीमो ने मजाकिया अंदाज में कहा आक्रमणकारियों से उनकी भाषा में बात करना आवश्यक है जो वे जानते हैं ।

उन्होंने कहा कि शांति और सम्मान जीतने के लिए एक जीत की आवश्यकता है। ÷ शी की इस तरह की टिप्पणी गंभीर चेतावनी के तौर देखा जा रहा है। शी जिनपिंग के इस भाषण को राष्ट्रवादी जिंगो के साथ जोड़ा गया और 2000 के बाद से यह पहली बार था जब किसी चीनी नेता ने इस कोरियाई युद्ध की सालगिरह के मौके पर बड़ा भाषण दिया है। चीन ने युद्ध को अमेरिका और दक्षिण कोरिया का विरोध करने के लिए संघर्ष के रूप में संदर्भित किया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पंकजा मुंडे पर रैली में निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने का मामला दर्ज

औरंगाबाद। महाराष्ट्र के बीड जिले के सावरगांव में रैली के दौरान निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के आरोप में भाजपा नेता पंकजा मुंडे सहित 40-50 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मुंडे ने 25 अक्टूबर को सावरगांव में भगवान गढ़ का दौरा किया और वहां से एक ऑनलाइन दशहरा रैली को संबोधित किया। एक अधिकारी ने बताया कि पंकजा मुंडे, राज्यसभा सदस्य डॉ भागवत कराड, विधायक मोनिका राजले और मेघना बोर्डीकर एवं रैली में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ अमलनेर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि जिले में निषेधाज्ञा लागू की गई थी और एक स्थान पर अधिकतम पांच लोगों के इकट्ठा होने की अनुमति थी। रैली में नियमों का उल्लंघन किया गया जिसके कारण भादसं की धारा 188 और और आपदा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस बीच सोमवार रात प्रतिक्रिया देते हुए मुंडे ने ट्वीट किया, फ्मैं आवश्यक अनुमति मिलने के बाद ही भगवान भक्ति गढ़ के पास गयी थी और अब यह मामला दर्ज किया गया है। भाजपा कार्यकर्ताओं के बाद अब अपराध दर्ज करने की यह दौर मुझ तक पहुंच गया है।

विजयादशमी पर जेल से मेरी रिहाई सांप्रदायिक शक्तियों के मुंह पर तमाचा: डॉ. अयूब

प्रतापगढ़। पीस पार्टी के अध्यक्ष डॉक्टर अयूब ने कहा कि न्यायाधीशों की तीन सदस्यीय सलाहकार समिति ने रासुका हटाकर उनकी रिहाई का मार्ग प्रशस्त किया जो विजयादशमी पर सांप्रदायिक शक्तियों के मुंह पर करारा तमाचा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सांप्रदायिक शक्तियों ने एक षड्यंत्र के तहत उन्हें जेल भिजवाकर उनके खिलाफ राष?ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई कराई। अयूब ने मंगलवार को कहा कि उन्हें त्याग और बलिदान के त्योहार ईद-उल-अजहा के एक दिन पूर्व गैर कानूनी तरीके से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया, लेकिन विजयादशमी के अवसर पर उनकी रिहाई सांप्रदायिक शक्तियों के मुंह पर करारा तमाचा है। उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम से उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है। अयूब ने कहा, 'राजनीतिक रूप से पीस पार्टी एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में सामने है और हम किसी भी अत्याचार से भयभीत होने वाले नहीं हैं।' उन्होंने कहा कि 'सांप्रदायिकतावादी सत्ता को जरा भी शर्म है तो त्यागपत्र देकर जनता के आक्रोश का सामना करे।

दुधवा टाइगर रिजर्व एक नवंबर से फिर खुलेगा, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया कदम

लखीमपुर खीरी। कोविड-19 महामारी के चलते पर्यटकों के लिए बंद दुधवा टाइगर रिजर्व (डीटीआर) इस बार 15 दिन पहले ही एक नवंबर से खुलेगा। विपरीत परिस्थियों में भी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यह पहल की जा रही है। दुधवा टाइगर रिजर्व के निदेशक संजय कुमार पाठक ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक नवंबर को दुधवा के द्वार पर्यटकों के लिए खुल जाएंगे लेकिन कोविड-19 की सुरक्षा के चलते इसमें विशेष सावधानी बरती जाएगी और किसी भी तरह के उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाएगा। आमतौर पर दुधवा टाइगर रिजर्व पर्यटकों के लिए 15 नवंबर से शुरू होकर 15 जून तक खुला रहता है। इस बार 15 दिन पहले ही इसे खोला जा रहा है। कोविड-19 के प्रकोप के बाद विपरीत परिस्थितियों में दुधवा टाइगर रिजर्व को पिछले 22 मार्च को पर्यटन के बीच सत्र में बंद करना पड़ा। दुधवा टाइगर रिजर्व के अधिकारी का कहना है कि इससे पार्क के राजस?व पर असर पड़ा लेकिन पर्यटकों की आवाजाही न होने से जंगली जानवरों को बिना किसी अवरोध के अपने क्षेत्रों में वापस आने में सहूलियत हुई। अधिकारी के मुताबिक प्रवेश द्वार पर पर्यटकों की थर्मल स्क्रीनिंग होगी और इसके बाद केवल उन पर्यटकों को परिसर में प्रवेश की इजाजत दी जाएगी जिनको कोविड-19 संक्रमण के कोई लक्षण नहीं होंगे। कोविड-19 के प्रोटोकाल का पूरी तरह पालन होगा और 11 वर्ष से 65 वर्ष की आयु के लोगों को परिसर में प्रवेश मिलेगा। इस बार 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों और 65 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों, रोगियों और गर्भवती महिलाओं को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

एमसीडी डॉक्टरों को वेतन ना देना शर्मनाक, केन्द्र को नगर निकाय को अनुदान देना चाहिए: केजरीवाल

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अस्पतालों के डॉक्टरों को बिना वेतन के काम करने के लिए मजबूर करना शर्मनाक है। साथ ही उन्होंने केन्द्र से नगर निगमों को अनुदान देने का अनुरोध भी किया ताकि वे डॉक्टरों का वेतन दे पाएं। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के कई डॉक्टरों ने दावा किया है कि वे पिछले तीन महीने से बिना वेतन के काम कर रहे है और इसको लेकर वे पिछले दो सप्ताह से प्रदर्शन भी कर रहे हैं। केजरीवाल ने एमसीडी के कामकाज में घोर कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि चीजें सही करने का समय आ गया है। उत्तरी एमसीडी से तत्काल इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है। गाजीपुर के कुक्कुट और मछली बाजार में अपशिष्ट से ऊर्जा बनाने के संयंत्र का उद्घाटन करते हुए केजरीवाल ने कहा, ''मुझे इस बात का काफी दुख है कि डॉक्टरों को वेतन के लिए प्रदर्शन करना पड़ रहा है। इन डॉक्टारों ने वैश्विक महामारी के दौरान हमारे लिए अपने जीवन को खतरे मे डाला। यह शर्मनाक है।'' उन्होंने पूछा, ''हम देख रहे हैं कि कई वर्षों से नगर निकाय अपने शिक्षकों, सफाई कर्मचारियों और डॉक्टरों को वेतन नहीं दे पा रहे। आखिर एमसीडी में कोष की कमी क्यों है?''

भारत-अमेरिका ने रक्षा समझौते पर किये हस्ताक्षर , पोम्पिओ ने कहा- भारत के साथ खड़ा है अमेरिका

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

भारत और अमेरिका ने एक महत्वपूर्ण रक्षा समझौते, बीईसीए, पर हस्ताक्षर किया जिसमें अत्याधुनिक सैन्य प्रौद्योगिकी, उपग्रह के गोपनीय डाटा और दोनों देशों की सेनाओं के बीच अहम सूचना साझा करने की अनुमति होगी। दोनों देशों के बीच मंगलवार को यहां हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में यह समझौता हुआ और इसके साथ ही उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा संबंधों और रणनीतिक सहयोग को और बढ़ाने का फैसला किया जहां चीन अपना आर्थिक और सैन्य दबदबा बनाने की कोशिश में है। विदेश मंत्री एस जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ और रक्षा मंत्री मार्क टी एस्पर के साथ टू प्लस टू वार्ता के तीससे चरण के तहत बातचीत की। दोनों पक्षों के शीर्ष सैन्य और रक्षा अधिकारियों ने इसमें सहयोग दिया।

उच्चस्तरीय बातचीत खासा महत्व रखती है क्योंकि यह ऐसे वक्त हो रही है जब चीन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी आर्थिक और सैन्य गतिविधियों को विस्तार देने का प्रयास कर रहा है और पूर्वी लद्दाख में भारत के साथ उसका तनावपूर्ण गतिरोध भी बरकरार है। बातचीत के दौरान अमेरिकी पक्ष ने भारत को यह आश्वासन भी दिया कि उसकी संप्रभुता और स्वतंत्रता पर खतरे से मुकाबले में अमेरिका उसके साथ है। जयशंकर, पोम्पिओ और एस्पर के साथ संयुक्त रूप से मीडिया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दोनों पक्षों ने कई अहम मुद्दों पर व्यापक चर्चा की और अमेरिका के साथ 'बीईसीए' पर दस्तखत को एक 'महत्वपूर्ण कदम' बताया। उन्होंने कहा, 'सेना से सेना के स्तर पर अमेरिका के साथ हमारा सहयोग काफी अच्छे से आगे बढ़ रहा है' और रक्षा उपकरणों के संयुक्त विकास के लिये परियोजनाओं को चिन्हित किया गया है। सिंह ने कहा, 'हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को लेकर अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करते हैं।' पोम्पिओ ने अपनी टिप्पणी में कहा कि यात्रा के दौरान वे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सम्मान में बलिदान देने वाले शहीदों, जिनमें जून में गलवान घाटी में चीन की पीएलए द्वारा मारे गए 20 भारतीय सैन्यकर्मी भी शामिल हैं, को श्रद्धांजलि देने समर स्मारक भी गए।

पोम्पिओ ने कहा, ÷भारत के लोग जब अपनी संप्रभुता और स्वतंत्रता पर खतरे का सामना करते हैं तो अमेरिका उनके साथ खड़ा होगा।÷ चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) की आलोचना करते हुए पोम्पिओ ने कहा कि अमेरिकी नेता और नागरिक बढ़ती स्पष्टता के साथ यह देख पा रहे हैं कि 'सीसीपी लोकतंत्र, कानून के शासन और पारदर्शिता की मित्र नहीं है'। पोम्पिओ ने कहा कि अमेरिका और भारत न सिर्फ सीसीपी द्वारा उत्पन्न बल्कि सभी तरह के खतरों से निपटने के लिये सहयोग बढ़ाने के लिये कदम उठा रहे हैं। जयशंकर ने कहा कि भारत-अमेरिका राष्ट्रीय सुरक्षा तालमेल में वृद्धि हुई है और हिंद-प्रशांत चर्चा का एक केंद्र था। अमेरिकी रक्षा मंत्री एस्पर ने कहा कि द्विपक्षीय रक्षा सहयोग लगातार बढ़ रहा है। रणनीतिक संबंधों के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण 'बीईसीए' पर दस्तखत के साथ दोनों देशों के बीच चार महत्वपूर्ण करार को अंतिम रूप दे दिया गया। दोनों देशों ने जनरल सिक्युरिटी ऑफ मिलिट्री इनफॉर्मेशन एग्रीमेंट

(जीएसओएमआईए)पर 2002 में दस्तखत किए थे। रक्षा समझौता और प्रौद्योगिकी साझा करने के संबंध में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत अमेरिका ने 2016 में भारत को 'प्रमुख रक्षा सहयोगी' का दर्जा दिया था। दोनों देशों ने 2016 में 'लॉजिस्टिक एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट' किया था। भारत और अमेरिका ने 2018 में एक और महत्वपूर्ण करार किया था जिसे 'कोमकासा' कहा जाता है। बीईसीए के बारे में अधिकारियों ने कहा कि समझौते से भारत की गोपनीय भूस्थैतिक डाटा के साथ ही अन्य सैन्य अनुप्रयोगों के संबंध में सूचनाओं तक पहुंच होगी।

कांग्रेस ने हाथरस केस में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किया स्वागत, कहा- इससे इंसाफ की उम्मीद को मिलेगी मजबूती

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने हाथरस में दलित लड़की से कथित सामूहिक बलात्कार और उसकी मौत के मामले की सीबीआई जांच इलाहाबाद उच्च न्यायालय की निगरानी में किए जाने संबंधी उच्चतम न्यायालय के आदेश का स्वागत करते हुए मंगलवार को कहा कि इससे इंसाफ की उम्मीद को मजबूती मिलेगी। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट किया, 'हाथरस मामले में उच्चतम न्यायालय का फैसला इंसाफ की उम्मीद को मजबूत करता है। परिवार की पहले दिन से मांग थी कि अदालत की निगरानी में जांच हो।' उन्होंने आरोप लगाया, 'हाथरस की पीड़िता, उसके परिवार के साथ उप्र सरकार द्वारा जघन्य व्यवहार किया गया। चरित्र हनन किया गया। दुर्भावना व पूर्वाग्रह से निर्णय लिए गए।' कांग्रेस प्रवक्ता और अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सुष्मिता देव ने कहा, 'हाथरस के मामले पर आए उच्चतम न्यायालय के निर्णय का स्वागत करती हूं। अदालत की निगरानी में जांच की मांग परिवार ने की थी और इस लड़ाई में राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी ने उनका साथ दिया।' उन्होंने कहा, ''यह ज़रूरी था क्योंकि उत्तर प्रदेश की पुलिस और प्रशासन अन्याय करने पर तुले हुए थे। अगर उत्तर प्रदेश की सरकार प्रदेश की बेटियों को सुरक्षित नहीं रख सकती तो प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए।' गौरतलब है कि न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के हाथरस मामले की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो करेगा और इलाहाबाद उच्च न्यायालय इसकी निगरानी करेगा।

भ्रष्टाचार का वंशवाद बड़ी चुनौती, कई राज्यों में राजनीतिक परंपरा का हिस्सा बना: मोदी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भ्रष्टाचार का वंशवाद ना सिर्फ एक बड़ी चुनौती है बल्कि वह कई राज्यों में राजनीतिक परंपरा का हिस्सा बन गया है जो देश को दीमक की तरह खोखला करता है। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सतर्कता एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अपील की कि वे भारत बनाम भ्रष्टाचार की लड़ाई में देश का साथ दें और समृद्ध व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहयोग करें।

उन्होंने कहा, ''आज मैं आपके सामने एक और बड़ी चुनौती का जिक्र करने जा रहा हूं। ये चुनौती बीते दशकों में धीरे-धीरे बढ़ते हुए अब देश के सामने एक विकराल रूप ले चुकी है। ये चुनौती है- भ्रष्टाचार का वंशवाद। यानि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में ट्रांसफर हुआ भ्रष्टाचार।'' मोदी ने कहा कि बीते दशकों में देश ने देखा है कि जब भ्रष्टाचार करने वाली एक पीढ़ी को उचित सजा नहीं मिलती तो दूसरी पीढ़ी और ज्यादा ताकत के साथ भ्रष्टाचार करती हैं। उन्होंने कहा, ''उसे दिखता है कि जब घर में ही करोड़ों रुपए कालाधन कमाने वाले का कुछ नहीं हुआ या थोड़ी सी सजा पाकर छूट गया तो उसका हौसला

और बढ़ जाता है। इस वजह से कई राज्यों में तो ये राजनीतिक परंपरा का हिस्सा बन गया है। पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाला भ्रष्टाचार, भ्रष्टाचार का ये वंशवाद, देश को दीमक की तरह खोखला कर देता है।''

भ्रष्टाचार को देश के विकास में बहुत बड़ी बाधा बताते हुए प्रधानमंत्रीने कहा कि यह समृद्ध भारत के सामने और आत्मनिर्भर भारत के सामने बहुत बड़ी रुकावट है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सभी देशवासियों से अपील की कि वे भारत बनाम भ्रष्टाचार की लड़ाई में हमेशा की तरह भारत को मजबूत करते रहें। उन्होंने कहा, ''भ्रष्टाचार को समाप्त करते रहिए। ऐसा करके हम समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत बना पाएंगे।

महाराष्ट्र सीएम उद्धव बोले, प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किसानों को बना सकता है समृद्ध

अकोला। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को कहा कि कृषि में आधुनिक प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से किसान समृद्ध हो सकते हैं। ठाकरे ने राज्य में कृषि विश्वविद्यालयों की ऑनलाइन हुई बैठक में किसानों को सलाह दी कि वे उन फसलों की पैदावार पर ध्यान केंद्रित करें, जिनका बाजार बड़ा हो। उन्होंने कहा,

''किसान हमारे अन्नदाता हैं। यदि खेती में प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया जाता है, तो किसान समृद्ध होंगे।'' ठाकरे ने कहा, ''किसानों को अब बिकने वाली फसलें पैदा करनी चाहिए।'' अकोला स्थित पंजाबराव देशमुख कृषि विश्वविद्यालय और महाराष्ट्र कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान परिषद ने संयुक्त कृषि अनुसंधान एवं विकास समिति की यह 48वीं बैठक आयोजित की। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री संजय धोत्रे ने कहा कि कृषि को और उत्पादक बनाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। राज्य कृषि मंत्री दादा भुसे ने कहा कि नए अनुसंधान किसानों तक अवश्य पहुंचने चाहिए और महाराष्ट्र सरकार इस संबंध में कदम उठा रही है।

निकिता मर्डर केस को लेकर लोगों में रोष, अनिल विज ने परिवार को सुरक्षा मुहैया कराने का दिया निर्देश

फरीदाबाद। (एजेंसी)।

हरियाणा के बल्लभगढ़ शहर स्थित अग्रवाल कॉलेज की बीकॉम ऑनर्स की एक छात्रा की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में मंगलवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने गौंछी-सोहना रोड पर जाम लगा दिया। वहीं, हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने पीड़ित परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए फरीदाबाद के पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया और कहा कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। छात्रा निकिता तोमर की सोमवार को हुई हत्या से गुस्साए सैकड़ों लोग आज सड़क पर उतर गए और पुलिस प्रशासन व सरकार से न्याय की मांग करने लगे। प्रदर्शनकारी आरोपियों को फांसी देने की मांग कर रहे थे। पुलिस हत्या के दोनों आरोपियों-तौफीक और रेहान को गिरफ्तार कर चुकी है। मुख्य आरोपी राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखता है। लोगों के प्रदर्शन के चलते पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। मृतका के परिजनों ने पुलिस प्रशासन पर आरोप लगाया कि जो प्राथमिकी दर्ज की गई है, उसमें कुछ खामियां हैं। आरोपी निकिता पर धर्म बदलने का दबाव डाल रहा था, जिसका जिक्र इसमें नहीं किया गया है। उन्होंने मांग की कि मामला फास्ट ट्रैक अदालत में भेजा जाए तथा आरोपियों को फांसी की सजा दी जाए। परिजनों ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं तब तक उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। समाचार मिलने तक प्रदर्शनकारी एन.एच.-2 पर डटे हुए थे, जिन्हें समझाने का प्रशासनिक अधिकारी प्रयास कर रहे थे।

उल्लेखनीय है कि सोमवार को आरोपियों ने पहले छात्रा को कार में खींचने का प्रयास किया और फिर असफल रहने पर गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। इस पूरी घटना की सीसीटीवी फुटेज सामने आ गई है। इस मामले को लेकर मृतका के परिजनों ने फरीदाबाद के सेक्टर-23 में भी प्रदर्शन भी किया।परिजनों का आरोप है कि मुख्य आरोपी छात्रा पर शादी का दबाव बना रहा था। हरियाणा के गृहमंत्री ने कहा कि परिवार की सुरक्षा के लिए फरीदाबाद पुलिस आयुक्त से बात की गई है, जल्द ही उन्हें सुरक्षा दी जाएगी और आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उधर, पुलिस ने छात्रा को गोली मारने वाले मुख्य आरोपी तौफीक के साथ-साथ उसके साथी रेहान निवासी नूंह को भी मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। अपराध शाखा डीएलएफ ने मुख्य आरोपी तौफीक को सोमवार रात ही गिरफ्तार कर लिया था। वह कबीर नगर, सोहना, गुरुग्राम का निवासी है।

देश में मनाया गया इन्फैंट्री डे, शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। इन्फेंट्री के योगदान को मनाने के लिए 27 अक्टूबर 2020 को भारतीय सेना का इन्फैन्ट्री डे मनाया गया। इस दिन का इन्फेंट्री के लिए एक अनूठा महत्व है, क्योंकि 1947 में इसी दिन भारतीय सेना के इन्फेंट्रीमेन श्रीनगर हवाई अड्डे पर उतरने वाले पहले सैनिकों का दल बने थे, जिन्होंने श्रीनगर के बाहरी इलाके से आक्रमणकारियों को वापस कर दिया और जम्मू और कश्मीर को पाकिस्तान समर्थित कबायली आक्रमण से बचा लिया। इन्फैंट्री दिवस के अवसर पर राष्ट्र की सेवा में विभिन्न युद्धक्षेत्रों पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले इन्फैंट्री के शहीदों के सम्मान में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर एक पुष्पांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत और आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवने के साथ रेजिमेंट के सभी कमांडर और कर्नल मौजूद रहे। ऑपरेशन विजय और ऑपरेशन मेघदूत के तीन योद्धा ब्रिगेडियर उमेश सिंह बावा, वीर चक्र (सेवानिवृत्त), सूबेदार (मानद कप्तान) संसार चंद, महा वीर चक्र (सेवानिवृत्त) और नाइक जय राम सिंह, वीर चक्र (सेवानिवृत्त) ने भी माल्यार्पण किया। इसे भी पढ़ें- 'इंफेंट्री दिवस' पर मोदी ने सैनिकों को दी बधाई , कहा- उनके योगदान पर देश को गर्व है इन्फैन्ट्रीमेन के लिए अपने संदेश में, इन्फेंट्री के महानिदेशक ने उन्हें बहादुरी, बलिदान, कर्तव्य और व्यावसायिकता के प्रति निस्वार्थ समर्पण के मूल मूल्य को फिर से समर्पित करने और अपने देश की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के संकल्प में अदम्य बने रहने का आह्वान किया।

हिजबुल के सरगना सैयद सलाहुद्दीन और भटकल बंधुओं समेत 18 को यूएपीए के तहत 'आतंकवादी' घोषित किया गया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रतिबंधित संगठन हिजबुल मुजाहिद्दीन के सरगना सैयद सलाहुद्दीन और इंडियन मुजाहिदीन के संस्थापक भटकल बंधुओं सहित 18 लोगों को आतंकवाद विरोधी संशोधित गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए)के तहत ''आतंकवादी'' घोषित किया गया है। आधिकारिक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। संशोधित गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत तैयार की गई इस सूची में 1999 में इंडियन एयरलाइन्स के विमान का अपहरण करने वाले अब्दुल रौफ असगर , इब्राहिम अथर और यूसुफ अजहर भी शामिल हैं। इससे पहले, केवल संगठनों को इसके तहत आतंकवादी घोषित किया जाता था। प्रवक्ता ने कहा, '' राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और आतंकवाद के प्रति ''कतई बर्दाश्त नहीं'' (शून्य सहनशीलता) की अपनी नीति की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी सरकार ने आज यूएपीए के प्रावधानों के तहत 18 और लोगों को आतंकवादी घोषित किया है।'' उन्होंने कहा,'' ये लोग सीमा पार से आतंकवाद के विभिन्न कृत्यों में शामिल हैं और देश को अस्थिर करने की नापाक कोशिशें कर रहे हैं।'' इस सूची में पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा का शीर्ष कमांडर साजिद मीर भी शामिल है, जो 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से एक है। 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले का आरोपी एवं लश्कर कमांडर युसूफ मुज़म्मिल, लश्कर प्रमुख हाफिज सईद का बहनोई अब्दुर रहमान मक्की भी इस सूची में शामिल है।

राजनीतिक मामलों का प्रमुख मक्की संगठन के विदेशी मामलों से जुड़े विभाग के लिए भी काम कर चुका है। इनके अलावा सूची में इंडियन मुजाहिदीन के संस्थापक रियाज़ इस्माइल शाहबन्द्री उर्फ ??रियाज़ भटकल और उसका भाई मोहम्मद इक़बाल उर्फ इक़बाल भटकल भी शामिल है। ये दोनों जर्मन बेकरी (2010), चिन्नास्वामी स्टेडियम, बैंगलोर (2010), जामा मस्जिद (2010), शीतलाघाट (2010) और मुंबई (2011) हमले सहित कई आंतकवादी कृत्यों में शामिल रहे हैं। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के चार करीबी सहयोगी - शेख शकील उर्फ छोटा शकील, मोहम्मद अनीस शेख, इब्राहिम मेमन उर्फ टाइगर मेमन और जावेद चिकना भी इस सूची में शामिल है। इन्हें संयुक्त राष्ट्र भी आतंकवादी घोषित कर चुका है। आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के फलाह-ए-इन्सानियत फाउंडेशन (एफआईएफ) के पाकिस्तान स्थित उप प्रमुख शहीद महमूद उर्फ शाहिद महमूद रहमतुल्ला को भी आतंकवादी घोषित किया गया है।

अखिलेश ने उत्तर प्रदेश सरकार पर साधा निशाना, कहा- आगामी विधानसभा चुनाव देश की राजनीति का भविष्य तय करेगा

लखनऊ। (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में जीत को अपना लक्ष्य बताते हुए मंगलवार को राज्य सरकार पर निशाना साधा और कहा कि उत्तर प्रदेश की मौजूदा झूठी सरकार को हटाने के लिए लोग सपा के साथ आ रहे हैं। अखिलेश ने सपा मुख्यालय में कई प्रमुख नेताओं के पार्टी में शामिल होने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि उत्तर प्रदेश का आगामी विधानसभा चुनाव प्रदेश ही नहीं बल्कि देश की राजनीति का भविष्य तय करेगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का लक्ष्य 2022 है और उसकी शुरुआत अगले महीने सात सीटों पर होने वाले उपचुनाव से हो रही है। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और पांच बार सांसद रह चुके सलीम शेरवानी और अंबेडकर नगर के पूर्व बसपा सांसद त्रिभुवन दत्त समेत कई प्रमुख लोगों ने सपा की सदस्यता ग्रहण की। इससे उत्साहित अखिलेश ने साफ संकेत दिया कि वह आने वाले समय में छोटे दलों के साथ समझौता कर चुनाव मैदान में उतरेंगे। उन्होंने कहा कि प्रयास होगा कि और लोगों को पार्टी से जोड़ा जाए। अखिलेश की पत्रकार वार्ता में जनवादी पार्टी के अध्यक्ष डाक्टर संजय चौहान और महान दल के अध्यक्ष केशव देव मौर्य मौजूद थे। अखिलेश ने इन नेताओं का जिक्र करते हुए कहा कि संजय चौहान लोकसभा का चुनाव हमारी पार्टी से लड़े और अगर भारतीय जनता पार्टी ने बेईमानी न की होती तो आज ये सांसद होते। सपा अध्यक्ष ने गौहत्या रोधी कानून के दुरुपयोग को लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की आपत्ति का स्वागत करते हुए कहा कि अदालत ने इस बारे में विस्तृत जानकारी मांगी होगी।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सोमवार को उत्तर प्रदेश में गौहत्या रोधी कानून का निर्दोष लोगों को फंसाने के लिये हो रहे दुरूपयोग और पुलिस द्वारा बरामद किये जाने वाले मांस को गोमांस साबित करने के लिये फोरेंसिक प्रमाणों की कमी पर चिंता जाहिर की थी। लंबे समय बाद पत्रकारों से मुखातिब अखिलेश ने कोविड-19 में सरकार पर कम जांच कराने का आरोप लगाया। उन?होंने कहा कि सरकार और सरकार के लोग न तो बीमारी से लड़ रहे हैं और न ही अस्पतालों में इलाज करा रहे लोगों को कोई सुविधा दे पा रहे हैं। अखिलेश ने कहा, ''बड़ी संख्या में लोगों की जान गई जिसमें कैबिनेट के मंत्री और विधायक भी शामिल हैं। जमीन पर काम करने वाले अधिकारी और पत्रकारों की भी जान गई। अब सरकार कह रही है कि हमें इस बीमारी के साथ रहना पड़ेगा।'' सपा अध्यक्ष ने कहा, ''प्रदेश सरकार आंकड़े छिपाती है तो इससे क्या उम्मीद करोगे। प्रदेश में न जाने कितनी घटनाएं हुई जिसमें सरकार ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा ये सरकार जिन लोगों के पुश्तैनी मकान हैं उन पर भी बुलडोजर चलवा रही है लेकिन इसे हमसे ज्यादा कौन समझेगा। हमें खुद एफिडेविट देना पड़ा कि हम घर नहीं बनवा सकते। कोई मुझे बताए कि मुख्यमंत्री आवास का नक्शा पास है क्या। सपा अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश में खराब कानून-व्यवस्था का जिक्र करते हुए इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री बार-बार कहेंगे ठोंक दो-ठोंक दो, तो क्या होगा। इस मौके पर धौलाना के विधायक

असलम चौधरी की पत्नी नसीम बेगम, हरदोई जिले के पूर्व बसपा विधायक आसिफ खान बब्बू, कानपुर देहात के कैप्टन इंद्र सिंह पाल, महराजगंज के जिला पंचायत अध्यक्ष प्रभु दयाल चौहान, सेवानिवृत्त पीसीएस अधिकारी वीके सैनी समेत कई प्रमुख लोगों ने सपा की सदस्यता ग्रहण की।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)